केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जीवन में ऐसे मित्र जरूर बनाने चाहिए, जो दिल की बात को ऐसे समझे जैसे मेडिकल स्टोर वाले डॉक्टर की लिखावट समझ जाते हैं

वर्ष : 17 अंक : 33 | उज्जैन, सोमवार 13 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

तमिलनाडु में पिता ने अपने दोनों बच्चों की ली जान, फिर खुद भी की आत्महत्या; पत्नी के जाने के बाद था परेशान

चेन्नई/ जीएनएस। तमिलनाडु के तूतुकुड़ी जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जिले के पुदुकोट्टाई के पास सवेरियारपुरम में एक पिता ने अपने दो मासूम बच्चों की करंट लगाकर जान ले ली और फिर खुद भी उसी तार से करंट लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में पुलिस ने बताया कि अपने बच्चों की जान लेने वाला व्यक्ति अपनी पत्नी के छोड़कर चले जाने के कारण काफी परेशान था और डिप्रेशन में था, जिसके बाद उसने ऐसा कदम उठाया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक शख्स की पहचान 40 साल के मैरी माइकल के रूप में हुई है, जो पहले ट्रक ड्राइवर का काम करता था। वहीं उसके बच्चों की पहचान 14 साल की मैरी निरोशा और 12 साल का मैरी केनिस्टन के रूप में हुई है। दोनों बच्चे एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ते थे। पुलिस ने बताया कि लगभग छह महीने पहले माइकल की पत्नी उसे और बच्चों को छोड़कर किसी दूसरे आदमी के साथ रहने चली गई थी। इस बात से माइकल बेहद टूट चुका था। उसने ट्रक चलाना भी कम कर दिया था और कभी-कभी पेंटिंग का काम करने लगा था। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की रात को माइकल बाजार से बच्चों के लिए खाना लेकर आया। बच्चों को खाना खिलाने के बाद उसने उन्हें सोने के लिए भेज दिया। जब बच्चे सो गए, तो माइकल ने बिजली के तारों को बच्चों के शरीर से बांध दिया और उसे सीधे पावर बोर्ड से जोड़ दिया। बच्चों की मौत होने के बाद, उसने उसी तार का इस्तेमाल कर खुद की जान भी ले ली। गौरतलब है कि माइकल के 75 साल के बुजुर्ग पिता एंथनी मुथु भी उसी घर में रहते थे, जो उस रात कमरे के बाहर सो रहे थे। शनिवार की दोपहर तक जब कमरे का दरवाजा अंदर से बंद रहा और कोई हलचल नहीं हुई, तो बुजुर्ग पिता को शक हुआ। उन्होंने तुरंत पड़ोसियों को बुलाया और पुदुकोट्टाई पुलिस को इसकी जानकारी दी।

अलीपुर अदालत का बड़ा फैसला, कोर्ट ने माना ऋतब्रत गुट ही असली तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी वर्चस्व की लड़ाई के बीच ऋतब्रत बनर्जी गुट को बड़ी कानूनी राहत मिली है। अलीपुर अदालत ने पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से दायर मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि 22 जून को राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के बाद गठित समिति ही तृणमूल कांग्रेस की वैध इकाई है। इस समिति के अध्यक्ष अरूप राय हैं। फैसले के बाद ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया कि अदालत ने उनके गुट को ही असली तृणमूल के रूप में मान्यता दी है। ऋतब्रत ने पत्रकारों से कहा कि अदालत के आदेश की प्रति मिलते ही उसे चुनाव आयोग को भेजा जाएगा, ताकि पार्टी की वैधता संबंधी उनके दावे को और मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि इस समिति के अलावा कोई भी व्यक्ति तृणमूल कांग्रेस के नाम पर संगठन चलाने या खुद को पदाधिकारी बताने का अधिकार नहीं रखता। उन्होंने यह भी दावा किया कि अदालत के फैसले के अनुसार पार्टी के कार्यालयों और पार्टी फंड पर भी उनकी समिति का अधिकार है।

उनके अनुसार, अरूप राय के नेतृत्व वाली समिति के अलावा कोई अन्य व्यक्ति तृणमूल कांग्रेस के नाम से पार्टी कार्यालयों का उपयोग नहीं कर सकेगा और न ही पार्टी निधि का इस्तेमाल कर पाएगा। इसके अलावा महानगर स्थित तृणमूल भवन के उपयोग का अधिकार भी केवल उनकी समिति के सदस्यों को होगा। यदि कोई व्यक्ति जबरन पार्टी कार्यालयों पर कब्जा करने या तृणमूल कांग्रेस के नाम का उपयोग करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अब इस फैसले पर पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल गुट की अगली रणनीति पर राजनीतिक हलकों की नजर है।

प्राण वायु का स्थाई प्रबंध है एक पेड़ मां के नाम अभियान : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने अपनी माताश्री की स्मृति में संतरे का पौधा लगाकर किया महाभियान का शुभारंभ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जो हमें जीवन दें, सद्मार्ग पर ले जाए, वह सदैव वंदनीय है। हमारे लिए प्रकृति ही परमेश्वर के स्वरूप है, क्योंकि यह हमें जीवन देती है, हमारा उदर-पोषण करती है। इसलिए हम सबको प्रकृतिपूजक बनकर इसकी वंदना करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार भी हैं और वसुधा का श्रृंगार भी। वृक्ष ऋषि मुनियों के समान एक ही स्थान पर रहकर साधना करते हैं। यह हमारी नकारात्मक ऊर्जा को स्वयं ग्रहण कर हमें सकारात्मक ऊर्जा (प्राण वायु) देने वाले उदार साधक होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बंजर भूमि को हरियाली की चादर ओढ़ाना प्रकृति माता को हरी चुनरी ओढ़ाने जैसा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर चलाया जा रहा है एक पेड़ मां के नाम अभियान कोई शासकीय कार्यक्रम नहीं, ये जीवन के लिए सांसों का स्थायी प्रबंध करने का अभियान है। जल, जंगल, जमीन और जानवर जिनसे हमारा पारिस्थितिकीय-तंत्र तैयार होता है, यह अभियान इनकी सुरक्षा का मिशन है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इन्दौर जिले के ग्राम बुढ़ानिया स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) परिसर में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां अपनी पूजनीय माता स्व. श्रीमती लीला बाई यादव की स्मृति में संतरे का फलदार पौधा लगाकर इन्दौर में 21 लाख पौधारोपण एवं 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयों की स्थापना (निर्माण) कार्य के महाभियान का दीप प्रज्?वलन कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में पंच महाभूतों का मान्यता मिली है। इसमें सबसे प्रमुख है जल। जल से ही हमारा जीवन है। एक पेड़ मां के नाम अभियान तथा जल, जंगल एवं पर्यावरण बचाने के पुनीत महाभियान में पूरे समाज की सहभागिता बेहद सराहनीय है। हम सबको मिलकर इस दिशा में आगे आना ही चाहिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पौधरोपण एवं जल संचयन में सरकार और समाज की सहयोगी सामाजिक संस्था पृथ्वी को प्रोत्साहन स्वरूप दो लाख रुपये और प्रदेश में चलाए गए नक्सल उन्मूलन अभियान में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले बीएसएफ के दो जवानों को मंच से सम्मानित कर दो-दो लाख रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मां अहिल्या की नगरी इंदौर अतीत के उस गौरवशाली पृष्ठ के रूप में जानी जाती है, जिसने सनातन संस्कृति को पुनर्जीवित किया। देवी अहिल्या माता ने अपने शासनकाल में अपने मूल उत्तरदायित्व के साथ-साथ प्रकृति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर कुंए और बावड़ियां बनाई। उन्हीं से प्रेरणा लेते हुए मध्यप्रदेश सरकार ने जल संरक्षण की दिशा में नदी, तालाब, कुंए, बावड़ियों की सफ़ाई और इनके पुनर्निर्माण का अभियान चलाया है। इंदौर में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण का काम हुआ। इंदौर ने देश को जल संरक्षण की दिशा दिखाई है। इससे देश में मध्यप्रदेश ने उल्लेखनीय स्थान हासिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में अलनीनो जैसी जलवायु से जुड़ी चुनौती हमारे सामने हैं। ऐसे में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधरोपण ही सबसे प्रभावी उपाय है। एक पेड़ - मां के नाम अभियान इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी पहल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन्दौर जब भी कुछ करता है, रिकार्ड ही बनाता है। जल हो या जंगल, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इन्दौर में बहुत अच्छा काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि पौधरोपण अभियान में 8 से 10 फिट के पौधे लगाए जा रहे हैं, जो जल्दी ही बड़े होकर फल देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह इस अभियान तीसरा साल है और हर साल इसमें समाज की सहभागिता बढ़ती ही जा रही है। अगले तीन दिनों में यहां एक लाख से अधिक वन प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस अमृत हरित महोत्सव-2026 में इन्दौर जिले में 21 लाख पौधे लगाने का संकल्प लेने के लिए जिलेवासियों को बधाई दी।

वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि इन्दौर प्रदेश की आर्थिक राजधानी होने के साथ अब पर्यावरण संरक्षण की दिशा तय कर रहा है। एक पेड़ - मां के नाम के तहत 21 लाख पौधे लगाने के संकल्प का महाभियान निन्संदेह बेहद सराहनीय है।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि धरती माता ने हमें जल, जंगल, जैव संपदा और खनिजों का अमूल्य आर्शीवाद दिया है। हमारा मध्यप्रदेश प्रकृति पुत्र है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के लिए पूरा इंदौर जुट गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर यह अभियान एक जन आंदोलन बन चुका है।

इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि हम राज्य सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान को और गति दे रहे हैं। हम 51 हजार वर्षा जल संचयन इकाइयां बनाने के लक्ष्य की दिशा में अब तक 8 हजार 500 जल इकाइयां बना चुके हैं। इंदौर में जल संवर्धन को हमने जन क्रांति का रूप दे दिया है।

पुल ढांचों की जांच के लिए बना 16 विशेषज्ञों का पैनल, होगी समयबद्ध जांच

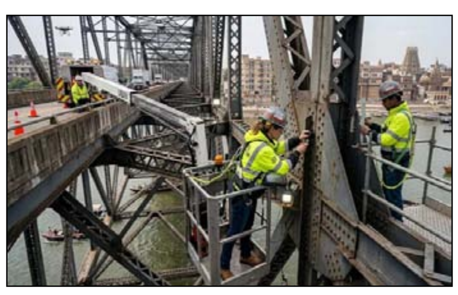

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय पुलों की गुणवत्ता को लेकर लगातार प्रयासरत है। आईआईटी सहित देश के प्रमुख तकनीकी संस्थानों को इनकी डिजाइन की जांच के लिए साथ जोड़ा है।

पुलों की हेल्थ रिपोर्ट बनाने के लिए नई समय सीमा तय कर दी है। अब इसी क्रम में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने भी विशेषज्ञों की उस सूची को अपडेट कर संख्या बढ़ा दी है, जिनके जिम्मे देश में कहीं भी पुल ढांचों में खामी शिकायत मिलने पर वह निरीक्षण कर समयबद्ध रूप से जांच रिपोर्ट प्राधिकरण को सौंपेंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क पर पुल और छह मीटर से अधिक लंबाई वाली पुलियों, अंडरपास और ओवरपास की संख्या 1.7 लाख से अधिक है। इनकी गुणवत्ता की निगरानी के तंत्र को और मजबूत करने की कसरत लगातार चल रही है।

पुल विशेषज्ञों को इम्पैनल्ड कर उनसे समय-समय पर जांच कराने की व्यवस्था तो लंबे समय से चली आ रही है, लेकिन अब प्राधिकरण ने उस सूची को अपडेट कर विशेषज्ञों की संख्या को इस उद्देश्य से बढ़ाया है कि निर्माण और संचालन एवं रखरखाव के दौरान यदि किसी पुल, ओवरपास या अंडरपास में तकनीकी खामी सामने आती है तो निर्धारित एसओपी के तहत तुरंत जांच कराई जा सके। एनएचएआई ने इस सूची में दस से बढ़ाकर 16 विशेषज्ञों को शामिल किया है। इनकी जिम्मेदारी होगी कि कहीं भी तकनीकी खामी सामने आने पर इनमें से गठित तीन सदस्यों की विशेषज्ञ समिति 24 घंटे के भीतर जांच शुरू करेगी।

नागरिकता छिपाकर भारत में रह रहे पाकिस्तानी मां-बेटे गिरफ्तार, राशन और वोटर कार्ड भी रद

बेंगलुरु/ जीएनएस। कर्नाटक में पाकिस्तानी महिला और उसके बेटे को दस्तावेजों में अपनी नागरिकता छिपाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने बताया कि कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में अपनी नागरिकता छिपाकर राशन कार्ड और वोटर कार्ड बनवाने के आरोप में एक पाकिस्तानी महिला और उसके बेटे को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों की पहचान फराह नाज और मोहम्मद फर्दीन के तौर पर हुई है।

पुलिस ने बताया कि बागेपल्ली के रहने वाले मोहम्मद अयूब खान, जो ॅश्व में काम करते थे, उन्होंने वहीं पाकिस्तानी नागरिक फराह नाज से शादी की। इस जोड़े के चार बच्चे हैं, जिनमें से मोहम्मद फर्दीन का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। जबकि, अयूब खान के बाकी तीन बच्चे भारतीय नागरिक हैं, फराह नाज और मोहम्मद फर्दीन पाकिस्तानी नागरिक हैं।

चिक्कबल्लापुर पुलिस की ओर से जानकारी मांगे जाने के बाद, डिप्टी कमिश्नर ने रिकॉर्ड की जांच की और राशन कार्ड रद कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्ड नागरिकता से जुड़ी जरूरी जानकारी छिपाकर हासिल किया गया था। सक्षम अधिकारी ने वोटर कार्ड भी रद कर दिया। बागेपल्ली के तहसीलदार की शिकायत के आधार पर, फराह नाज और मोहम्मद फर्दीन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, विदेशी नागरिकता अधिनियम और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया गया है।

39 नई दवाओं की खुदरा कीमतें तय, मरीजों को मिलेगी किफायती दवा

नई दिल्ली/ जीएनएस। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथारिटी (एनपीपीए) ने 39 नई दवा फार्मूलेशन की खुदरा कीमतें तय कर दी हैं। इनमें हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, एचआईवी, हृदय रोग और आंखों के संक्रमण जैसी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल हैं।

ड्रग्स (प्राइस कंट्रोल) आर्डर, 2013 (डीपीसीओ) के तहत तय की गई इन कीमतों से मरीजों को दवाएं निर्धारित और किफायती दरों पर मिल सकेंगी। हालांकि, एनपीपीए ने स्पष्ट किया है कि यह दवाओं के दाम घटाने का फैसला नहीं, बल्कि उनकी अधिकतम खुदरा कीमत तय करने की प्रक्रिया है। एनपीपीए के अनुसार, उच्च रक्तचाप के इलाज में इस्तेमाल होने वाली एम्लोडिपिन, बिसोप्रोलोल और टेलमिसारटन की संयुक्त टैबलेट की कीमत 14.74 रुपये प्रति टैबलेट तय की गई है।

वहीं, आंखों की सर्जरी के बाद होने वाले बैक्टीरियल संक्रमण के इलाज में उपयोग होने वाले नेपाफेनाक और मोक्सिफ्लोक्सासिन आई ड्रॉप की कीमत 68.64 रुपये प्रति मिलीलीटर तथा हार्ट अटैक और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने वाली क्लोपिडोग्रेल, एस्पिरिन और एटोरवास्टैटिन कैप्सूल की कीमत 6.37 रुपये प्रति कैप्सूल निर्धारित की गई है।

अथॉरिटी ने सभी दवा विक्रेताओं और डीलरों को निर्देश दिया है कि वे निर्माताओं से प्राप्त मूल्य सूची और आवश्यक होने पर पूरक मूल्य सूची को दुकान में ऐसी जगह प्रदर्शित करें, जहां ग्राहक उसे आसानी से देख सकें।

साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि कोई निर्माता या मार्केटिंग कंपनी निर्धारित कीमत से अधिक वसूली करती है, तो उसे डीपीसीओ, 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत अतिरिक्त वसूली गई राशि ब्याज सहित जमा करनी होगी।

अपार्टमेंट के गेट से टकराई फरारी, बाल-बाल बचा ड्राइवर

हैदराबाद

हैदराबाद/ जीएनएस। हैदराबाद से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पॉश इलाके जुबली हिल्स में रविवार को एक तेज रफ्तार फेरारी रोमा कार एक अपार्टमेंट के गेट से टकरा गई। इस हादसे में 3.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की इस लग्जरी कार और अपार्टमेंट की संपत्ति दोनों को भारी नुकसान पहुंचा है।

यह दुर्घटना फिल्म नगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रोड नंबर 5 पर हुई। अधिकारियों के मुताबिक, तेज रफ्तार फेरारी अनियंत्रित होकर फोर्ट व्यू अपार्टमेंट्स के गेट से जा टकराई, जिससे गेट पूरी तरह टूट गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि इस महंगी स्पोर्ट्स कार का अगला हिस्सा भी बुरी तरह चकनाचूर हो गया। मामले में पुलिस ने बताया कि इस हादसे में किसी को भी कोई चोट नहीं आई है और सभी सुरक्षित हैं।

हर संभव मदद दी जा रही, वियतनाम में 15 भारतीयों की मौत पर पीएम मोदी ने जताया दुख; 21 लोगों का इलाज जारी

नई दिल्ली/ जीएनएस। वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास स्पीडबोट हादसे में 15 पर्यटकों की मौत हो गई है। इन हादसे में जान गंवाने वाले सभी 15 पर्यटक भारतीय हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख जताया है और कहा, भारत के तरफ से हर संभव मदद दी जा रही है। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने अपना इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम भी एक्टिवेट कर दिया है।

पीएम मोदी ने वियतनाम हादसे पर जताया दुख- पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, वियतनाम के फू क्वोक के पास भारतीय नागरिकों की नाव दुर्घटना की दुखद खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

पीएम मोदी ने आगे लिखा, घायल बचे लोगों के जल्द ठीक होने की मैं प्रार्थना करता हूं। हमारा दूतावास और वाणिज्य दूतावास हर संभव मदद पहुंचा रहे हैं। हमारे अधिकारी वियतनाम के अधिकारियों के भी लगातार संपर्क में हैं।

वियतनाम में 15 भारतीय की मौत- न्यूज एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नाव होन मे रुट द्वीप से एन थोई बंदरगाह जा रही थी, तभी किनारे से लगभग 400 मीटर दूरी पर पलट गई। स्पीडबोट में 32 भारतीय पर्यटक और चार क्रू सदस्य सवार थे। वियतनामी न्यूज आउटलेट VnExpress ने बताया कि हादसे के समय समुद्र में हालात खराब थे। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने भी इस हादसे की पुष्टि की थी।

वियतनाम के अधिकारियों ने 15 लोगों की मौत की पुष्टि की है, जिनमें 13 पुरुष और 2 महिलाएं थीं। पर्यटकों में तेलुगु राज्यों के सात लोग शामिल थे।

21 लोगों को बचाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें 17 यात्री और 4 क्रू मेंबर हैं। बचे हुए लोगों में से दो की हालत गंभीर है और उनका इलाज जारी है।

खोज और बचाव अभियान पूरा हो चुका है और वियतनाम के अधिकारियों ने विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

नीता अंबानी बनीं फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वुमन 2026

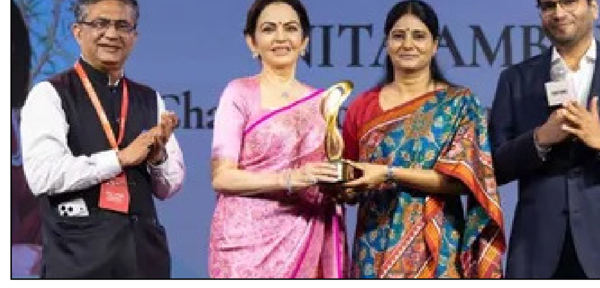

नई दिल्ली/ जीएनएस। फॉर्च्यून इंडिया ने शुक्रवार को मुंबई के फोर सीजन्स होटल में अपना खास मोस्ट पावरफुल वुमन 2026 इवेंट आयोजित किया।

इस इवेंट में बिजनेस, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, पब्लिक पॉलिसी और एंटरप्रेन्योरशिप जैसे क्षेत्रों की भारत की प्रमुख महिला लीडर्स एक साथ आईं।

नीता अंबानी बनीं मोस्ट पावरफुल वुमन 2026- इस इवेंट में फॉर्च्यून इंडिया मोस्ट पावरफुल वुमन 2026 लिस्ट जारी की गई, जिसमें उन 100 महिलाओं को शामिल किया गया जिनकी लीडरशिप देश के आर्थिक और बिनेस परिदृश्य को आकार दे रही है।

रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी इस साल की नंबर 1 मोस्ट पावरफुल वुमन बनी हैं। नीता अंबानी ने लीडरशिप की एक व्यापक परिभाषा की वकालत की, जो करुणा, समावेशिता और अवसर पर आधारित हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लड़कियों में निवेश करना भारत के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। इवेंट में अलग-अलग सेशन में बिजनेस लीडर्स ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भले ही ॅद्ध, भू-राजनीतिक बदलाव और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तन उद्योगों को बदल रहे हैं, लेकिन टिकाऊ लीडरशिप हमेशा जिज्ञासा, लचीलेपन, कस्टमर पर ध्यान और मानवीय समझ पर निर्भर करेगी।

वित्तीय समावेशिता पर हुई चर्चाओं में इस बात पर जोर दिया गया कि महिलाओं के सशक्तिकरण का अगला चरण सिर्फ वित्तीय सेवाओं तक पहुंचने तक सीमित नहीं है, बल्कि सक्रिय रूप से संपत्ति बनाने और वित्तीय निर्णय लेने में भी है।

इस कार्यक्रम में समावेशी कार्यस्थल बनाने, लंबे समय तक चलने वाले कंज्यूमर ब्रांड बनाने और विकसित भारत के विन को हासिल करने में पोषण और हेल्थकेयर की भूमिका को लेकर भी चर्चा की गई।

मोस्ट पावरफुल वुमन प्लेटफॉर्म लीडरशिप के लिए भारत के सबसे प्रभावशाली मंचों में से एक के रूप में लगातार विकसित हो रहा है।

2026 के इस संस्करण ने उन महिलाओं को मान्यता देने के प्रति फॉर्च्यून इंडिया की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया जो बिजनेस और समाज में सार्थक बदलाव ला रही हैं।

नगर निगम का अत्याधुनिक PIMS पोर्टल लॉन्च, अब सैटेलाइट और GIS तकनीक से होगी अवैध निर्माणों पर नजर

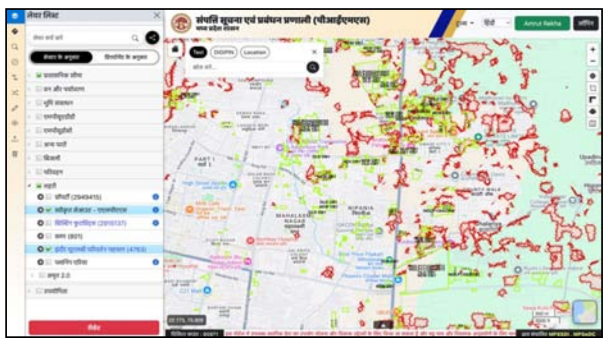

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुव्यवस्थित एवं नियोजित विकास को बढ़ावा देने और अवैध निर्माणों तथा अवैध कॉलोनियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से इंदौर नगर निगम ने अत्याधुनिक प्रॉपर्टी इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल तैयार कराया है। आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर एम.पी.एस.ई.डी.सी. के माध्यम से विकसित यह पोर्टल आधुनिक सैटेलाइट इमेजरी और जीआईएस तकनीक पर आधारित है, जिसके जरिए शहर में हो रहे नए निर्माण कार्यों की निगरानी, अवैध निर्माणों की पहचान और अवैध कॉलोनियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हो सकेगा।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि नगर निगम तकनीक आधारित कार्यप्रणाली को बढ़ावा देते हुए शहर के विकास कार्यों की निगरानी के लिए यह महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म लेकर आया है। पोर्टल में जनवरी 2023 के बाद नगर क्षेत्र में हुए निर्माण कार्यों का विस्तृत डाटा और सैटेलाइट इमेज उपलब्ध कराई गई हैं। इसके साथ ही शहर की स्वीकृत कॉलोनियों की जानकारी भी इसमें एकीकृत की गई है, जिससे किसी भी क्षेत्र में हो रहे बड़े निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति का आसानी से आकलन किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि PIMS पोर्टल के माध्यम से निगम अधिकारी किसी भी क्षेत्र में किए जा रहे नए निर्माण कार्यों की तुलना पहले से उपलब्ध सैटेलाइट इमेज से कर सकेंगे। यदि किसी स्थान पर बिना अनुमति निर्माण किया गया है या निर्माण कार्य स्वीकृत मानकों के विपरीत पाया जाता है, तो उसकी तत्काल पहचान कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पोर्टल की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (T&CP) विभाग द्वारा स्वीकृत ले-आउट को भी एकीकृत किया गया है। इसके माध्यम से किसी भी क्षेत्र में स्वीकृत और अस्वीकृत कॉलोनियों की स्थिति स्पष्ट रूप से देखी जा सकेगी। यदि कहीं बिना स्वीकृति कॉलोनाइजेशन किया जा रहा है, तो उसकी तुरंत पहचान कर अवैध कॉलोनियों के विकास पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा।

नगर निगम का कहना है कि इस डिजिटल प्रणाली से भवन अनुज्ञा, भूमि उपयोग और कॉलोनी विकास से जुड़े मामलों की निगरानी अधिक पारदर्शी, त्वरित और तकनीकी रूप से सशक्त होगी। साथ ही आम नागरिक भी पोर्टल के माध्यम से स्वीकृत कॉलोनियों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे, जिससे संपत्ति खरीदने से पहले उसकी वैधता की जांच करना आसान होगा।

इंदौर-देवास बाईपास पर पिस्टल तानकर लूट, फायर नहीं हुआ तो बट से किया हमला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर-देवास बाईपास पर राहगीरों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले गिरोह के एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरोह ने 10 जुलाई की तड़के डकाच्या ब्रिज के पास कार में आराम कर रहे एक टेलीकॉम कंपनी के सेल्स मैनेजर और उसके साथी पर हमला कर मोबाइल लूट लिए थे। घटना के अगले ही दिन गिरोह दोबारा वारदात की तैयारी में था, लेकिन इस बार पुलिस की सतर्कता के चलते एक आरोपी पकड़ लिया गया, जबकि उसके दो साथी फरार हो गए।

पिस्टल से फायर की कोशिश, फिर बट से किया हमला- शिप्रा थाने के एसआई योगेंद्र सिंह सोजतिया के अनुसार, फरियादी मिथिलेश सिंह (35) एक टेलीकॉम कंपनी में सेल्स मैनेजर हैं। गुरुवार देर रात वह अपने साथी दिलखुश के साथ देवास नाका से इंदौर-देवास बायपास पहुंचे थे। दोनों ने डकाच्या ब्रिज के पास कार खड़ी कर आराम करना शुरू किया।

इसी दौरान तीन बदमाश कार के पास पहुंचे। एक आरोपी ने देशी पिस्टल तानकर फायर करने की कोशिश की, लेकिन गोली नहीं चली। इसके बाद आरोपी ने पिस्टल के बट से मिथिलेश के सिर पर वार कर उन्हें घायल कर दिया। वारदात के दौरान बदमाश दोनों के मोबाइल फोन लूटकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ितों ने शिप्रा थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेरा- घटना के बाद पुलिस ने बदमाशों के हुलिये के आधार पर मुखबिरों को सक्रिय किया और तकनीकी जांच शुरू की। शुक्रवार रात सूचना मिली कि तीन संदिग्ध एक बाइक पर शिप्रा-उज्जैन बायपास पर मौजूद हैं और उनका हुलिया लुटेरों से मेल खाता है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर तीनों आरोपी भागने लगे। गिरफ्तारी के डर से वे बाइक छोड़कर भागे। इस दौरान पीछे बैठे दो आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए, जबकि अमन कौशल को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया।

जल्दी पैसे कमाने के लिए बनाई थी लूट की योजना- पूछताछ में आरोपी अमन कौशल ने पुलिस को बताया कि उसने किस्त भरने और जल्दी पैसे कमाने के लिए साथियों के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी। आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि लूटे गए मोबाइल फोन बेच दिए गए हैं।

पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। साथ ही गिरफ्तार आरोपी से अन्य वारदातों और गिरोह की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह के सदस्य उज्जैन के उन्हेल से इंदौर आते थे, रात में वारदात को अंजाम देते और फिर वापस लौट जाते थे।

अब इंदौर में मिलेगा कैंसर का सटीक इलाज, एमजीएम में शुरू हुई मध्य भारत की पहली एनजीएस लैब

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कैंसर के इलाज के क्षेत्र में इंदौर ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। एमजीएम मेडिकल कालेज में मध्य भारत की पहली नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) लैब शुरू हो गई है। अत्याधुनिक तकनीक के शुरू होने से अब कैंसर मरीजों को जांच और टारगेट थेरेपी के लिए मुंबई, दिल्ली या अन्य बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह सुविधा मरीजों को समय पर सटीक इलाज उपलब्ध कराने के साथ-साथ कैंसर के दोबारा होने की संभावना को भी काफी हद तक कम करने में मदद करेगी। एमजीएम मेडिकल कालेज में फिलहाल दो तरह के कैंसर की उन्नत जांच शुरू की गई है।

इनमें ब्रेस्ट कैंसर के लिए बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन की पूरी जांच की जाएगी। इससे यह पता लगाया जा सकेगा कि कैंसर आनुवंशिक है या नहीं और मरीज के लिए कौन-सी टारगेटेड दवा सबसे उपयुक्त रहेगी। वहीं ब्रेन ट्यूमर के मरीजों के लिए 161 जीन की जांच की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। इसमें आईडीएच1 और आईडीएच2 जैसे महत्वपूर्ण मार्कर की पहचान कर बीमारी का सटीक निदान और इलाज तय किया जाएगा।

जीन जांच के बाद पता चलेगा, कौनसी दवाई करेगी असर- विशेषज्ञों के मुताबिक एनजीएस आधुनिक जीन जांच तकनीक है। इस जांच से यह पता चलता है कि कैंसर किस जीन में हुए बदलाव के कारण बढ़ रहा है। रिपोर्ट के आधार पर डाक्टर ऐसी दवा का चयन करते हैं, जो सीधे उसी जीन पर असर करती है। इसे टारगेट थेरेपी कहा जाता है। इस पद्धति में सामान्य इलाज की तुलना में दवा अधिक प्रभावी होती है, साइड इफेक्ट कम होते हैं और मरीज को बेहतर परिणाम मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

मोबाइल स्नेचिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, पांच मोबाइल और एक्टिवा जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में दिनदहाड़े राह चलते लोगों से मोबाइल स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को कनाड़िया थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच चोरी के मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त एक एक्टिवा स्कूटी जब्त की है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत करीब ढाई लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए मोबाइल स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम देते थे। प्रारंभिक पूछताछ में उन्होंने शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में मोबाइल छीनने की कई वारदातें करना स्वीकार किया है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर मोबाइल स्नेचिंग जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त आशीष पटेल के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई।

मामला 7 जुलाई 2026 का है, जब शिवांगी सेन छोटा राजबाड़ा प्रतिमा के पास ऑटो का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान एक्टिवा पर सवार दो युवक आए और उनके हाथ से मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर कनाड़िया थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

थाना प्रभारी सहर्ष यादव के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने सन्नी टुटेजा और अजय बानखेड़े को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने मोबाइल स्नेचिंग की वारदातें करना स्वीकार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी सन्नी टुटेजा के कब्जे से तीन मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई एक्टिवा स्कूटी क्रमांक स्च्र09 ष्ठस् 4507 जब्त की, जबकि आरोपी अजय बानखेड़े से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए।

पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर शहर में हुई अन्य मोबाइल स्नेचिंग की घटनाओं में उनकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है।

इंदौर में ड्रोन सर्वे और ग्राउंड टुथिंग के बावजूद स्वामित्व अधिकार पत्र में नाम अधूरे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के साथ ही इंदौर में स्वामित्व योजना के तहत आबादी भूमि पर रहने वाले ग्रामीण परिवारों को कानूनी संपत्ति स्वामी बनाने के लिए स्वामित्व अधिकार पत्र दिए जा रहे है। अधिकार पत्रों और कम्प्यूटरीकृत खसरों में संपत्ति धारकों की अधूरी जानकारी दर्ज है। कही पर सिर्फ धारकों का नाम ही लिखा गया है औ पिता, पति के नाम के अलावा सरनेम और पता भी दर्ज नहीं है। ऐसे में सही व्यक्ति की पहचान करना मुश्किल है। अन्य विसंगतियां भी है। इनका ग्राउड टुथिंग या दावे आपत्ति के समय सुधार नहीं किया गया। ऐसे में अब होने वाली रजिस्ट्री में परेशानी सामने आ सकती है।

स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन सर्वे के बाद जारी किए गए अधिकार पत्रों और कम्प्यूटरीकृत खसरों में संपत्ति धारकों की अधूरी जानकारी दर्ज होने का मामला सामने आया है। इंदौर जिले में 522 गांवों में सर्वे होना है और 541 में सर्वे का कार्य पूरा हो चुका, जबकि 11 में प्रक्रिया जारी है। ऐसे में कम्प्यूटरीकृत खसरों में कई संपत्ति धारकों की अधूरी जानकारी दर्ज है।

कई गांवों में ऐसी गडबड़िया सामने आई है।गौरतलब है कि सरकार ने स्वामित्व योजना के भूमिस्वामियों को संपत्ति का कानूनी अधिकार देने के लिए रजिस्ट्री कराने का निर्णय लिया है।यह रजिस्ट्रियां सरकार द्वारा निशुल्क कराई जाएगी।इसके लिए तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को उप पंजीयन के अधिकार दिए गए है।

इंदौर में नहीं सुधर रही शासकीय अस्पतालों की व्यवस्थाएं, अभी भी स्ट्रेचर धकेल रहे मरीज के स्वजन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय अस्पतालों में व्यवस्थाओं में सुधार के सिर्फ दावें होते हैं, हकीकत यह है कि मरीजों को इलाज के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ता है। एमजीएम मेडिकल कॉलेज से जुड़े एमवायएच सहित सभी अस्पतालों में मरीजों को अभी भी स्ट्रेचर और व्हीलचेयर स्वजन को धकेलना पड़ रहे हैं।

हाल ही में एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें माता-पिता अपने बेटे को भीषण गर्मी में स्ट्रेचर पर लेकर भटक रहे थे। मामले में कालेज प्रबंधन ने आउटसोर्स बीवीजी कंपनी पर एक लाख रूपये जुर्माना लगाया था और इसे ब्लैक लिस्टेड करने की अनुसंशा भी की थी। लेकिन हालात में इसके बावजूद कोई सुधार नहीं आया है। अस्पतालों में अभी भी बीवीजी के कंपनी के कर्मचारी नजर नहीं आते हैं। यहां मरीजों के स्वजन ही इलाज के लिए उन्हें स्ट्रेचर पर धकाते हैं। हालात यह है कि कई बार बुजुर्ग तक स्ट्रेचर को धकाते हैं। कंपनी और अस्पतालों के जिम्मेदार अधिकारी यह स्थिति देखते हैं, लेकिन इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती है।

इंदौर में एमडी ड्रग्स के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार, 47.78 ग्राम नशीला पदार्थ और कार जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कनाड़िया थाना पुलिस ने तीन ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 47.78 ग्राम एमडी ड्रग्स और एक किया सेल्टोस कार जब्त की है। जब्त किए गए मादक पदार्थ और वाहन की कुल कीमत करीब 15.70 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस आरोपियों से ड्रग्स की सप्लाई चेन और इसके स्रोत के संबंध में पूछताछ कर रही है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त आशीष पटेल के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस के अनुसार 5 जुलाई 2026 को कनाड़िया थाना पुलिस ने साजिद कुरैशी और इसराइल पटेल को 5.60 ग्राम एमडी ड्रग्स तथा किया कार क्रमांक MP09ZG3434 के साथ गिरफ्तार किया था। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे एमडी ड्रग्स आगर मालवा निवासी दानिश कुरैशी से खरीदते थे।

आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने आगर मालवा के छोटा ततिया निवासी दानिश कुरैशी को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 42.18 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई। इस तरह पुलिस ने कुल 47.78 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की।

पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी दानिश कुरैशी के खिलाफ पहले भी मारपीट और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उससे पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह मादक पदार्थ कहां से लाता था और किन-किन लोगों तक इसकी सप्लाई करता था। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर इस नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल में करेंगे एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 का शुभारंभ

जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में निवेश को मिलेगा बढ़ावा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 13 जुलाई को भोपाल में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 ॰ जीसीसी, डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर का शुभारंभ करेंगे। साथ ही राज्य सरकार के प्रौद्योगिकी आधारित औद्योगिक विकास के विजन को साझा कर उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ वन-टू-वन बैठक कर निवेश, परियोजनाओं के क्रियान्वयन एवं भावी सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉनक्लेव परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित टेकग्रोथ कॉनक्लेव 3.0 का उद्देश्य उच्च-विकास वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को गति देना और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), डेटा सेंटर एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रदेश को देश के प्रमुख निवेश गंतव्यों में स्थापित करना है।

कॉनक्लेव में मध्यप्रदेश की प्रौद्योगिकी विकास यात्रा पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही अग्रणी कंपनियों के विशेषज्ञ जीसीसी विस्तार, डेटा सेंटर विकास और सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम से जुड़े अवसरों पर अपने विचार साझा करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न रणनीतिक साझेदारियों और समझौतों का आदान-प्रदान भी किया जाएगा जो राज्य के प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कॉन्क्लेव में सेमीकंडक्टर, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स एवं डेटा सेंटर्स विषयों पर केंद्रित राउंडटेबल चर्चाएं आयोजित होंगी। इनमें वरिष्ठ उद्योग प्रतिनिधि, नीति-निर्माता और शिक्षाविद् राज्य में निवेश की संभावनाओं, कुशल मानव संसाधन, औद्योगिक अधोसंरचना, नीतिगत सहयोग और भविष्य की आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श करेंगे। चर्चा के प्रमुख विषयों में मध्यप्रदेश में एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का विकास, राज्य को भारत के अगले प्रमुख जीसीसी गंतव्य के रूप में स्थापित करना और डिजिटल अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाना शामिल है।

कॉन्क्लेव में देश और विदेश की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों, उद्योग संगठनों, निवेशकों, स्टार्टअप्स, इनक्यूबेटर्स, शोध एवं शैक्षणिक संस्थानों और नीति विशेषज्ञों सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। सीटीआरएलएस डेटासेंटर्स, केन्स टेक्नोलॉजीस, फुजियामा पॉवर और न्योबोल्ट लिमिटेड सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधि विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में निवेश एवं सहयोग की संभावनाओं पर अपने विचार रखेंगे। आईआईएसईआर और आईआईएम इंदौर सहित प्रमुख शैक्षणिक संस्थान भी नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और उद्योग-शैक्षणिक सहयोग पर आयोजित सत्रों में सहभागिता करेंगे।

एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव के पहले दो संस्करणों ने प्रदेश में प्रौद्योगिकी निवेश को नई गति प्रदान की है। कॉन्क्लेव 1.0 में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 75 हजार रोजगार के अवसर सृजित हुए। कॉन्क्लेव 2.0 में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्राप्त हुए, जिनसे लगभग 48 हजार रोजगार के अवसर सृजित हुए। कॉन्क्लेव 3.0 का उद्देश्य इस निवेश यात्रा को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाते हुए रणनीतिक प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उद्योगों की भागीदारी को और सुदृढ़ बनाना है।

मध्यप्रदेश अपनी उद्योग-अनुकूल नीतियों, विश्वस्तरीय औद्योगिक अधोसंरचना, रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, कुशल मानव संसाधन और निवेशकों के लिए सक्रिय सुविधा तंत्र से तेजी से देश के अग्रणी प्रौद्योगिकी निवेश गंतव्य के रूप में उभर रहा है। एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 3.0 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है जो राज्य में निवेश, नवाचार, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति प्रदान करेगी।

बजरंग दल का पदाधिकारी बनकर हिंदू युवतियों का शोषण करते पकड़ा गया फरहान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू सगंठन के कार्यकर्ताओं ने एक मुस्लिम युवक को पकड़ा है जो हिंदू संगठन बजरंग दल का पदाधिकारी बनकर हिंदू युवतियों को जाल में फंसा लेता था। उसके मोबाइल में कई लड़कियों के आपत्तिजनक फोटो और वीडियो मिले हैं, जो उसने वीडियो कॉल कर रिकॉर्ड किए थे। एमजी रोड पुलिस ने आरोपित फरहान शाह के खिलाफ बीएनएस और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत एफआइआर दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार पीड़िता से आरोपित की स्नैपचेट के माध्यम से दोस्ती हुई थी। इंदिरा नगर देवास के फरहान ने गोलू सोलंकी नाम बताया और युवती से मोबाइल पर चैट करने लगा। शनिवार को फरहान गांधी हॉल के गार्डन में आया और युवती के साथ अश्लील हरकतें की। इसी दौरान उसके मोबाइल पर किसी का कॉल आया और उसने फरहान नाम बताया।

युवती के आपत्ति लेने पर फरहान घबरा गया और धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाने लगा। पीड़िता ने हिंदू संगठन के पदाधिकारी तन्नू शर्मा की मदद ली और आरोपित को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। तन्नू शर्मा के मुताबिक आरोपित के मोबाइल में कई लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं। एक युवती ने बताया फरहान जबरदस्ती कर वीडियो कॉल पर उनसे आपत्तिजनक बातें करता था। वह धोखे में रख कर उनके वीडियो रिकॉर्ड कर लेता था।

मालवा मिल से पाटनीपुरा होते हुए रसोमा चौराहे तक एलिवेटेड रोड नहीं बनेगा, फिजिबिलिटी सर्वे में योजना पर लगा ब्रेक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा मिल से पाटनीपुरा होते हुए रसोमा चौराहे तक प्रस्तावित एलिवेटेड रोड नहीं बनेगा। इंदौर विकास प्राधिकरण (आइडीए) ने इस मार्ग पर एलिवेटेड कारिडोर की व्यवहारिकता जांचने के लिए फिजिबिलिटी सर्वे कराया था।

सर्वे रिपोर्ट में सामने आया कि इस मार्ग पर एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है। साथ ही लंबे रूट का यातायात अपेक्षाकृत कम और गलियों व चौराहों तक आने-जाने वाले वाहनों का दबाव अधिक है। यहीं वजह है कि परियोजना को फिलहाल होल्ड कर दिया गया है।

आईडीए ने बढ़ते ट्रैफिक जाम को देखते हुए मालवा मिल से रसोमा चौराहा तक एलिवेटेड कारिडोर का प्रस्ताव तैयार किया गया था। करीब एक साल पहले इसके लिए कंसल्टेंट नियुक्त कर विस्तृत सर्वे कराया गया। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार मालवा मिल से पाटनीपुरा तक करीब 30 मीटर चौड़ी सड़क भी एलिवेटेड निर्माण के लिए पर्याप्त नहीं है।कई स्थानों पर एलिवेटेड बनने के बाद नीचे सड़क की चौड़ाई काफी कम रह जाती, जबकि चौराहों पर वाहनों को ऊपर-नीचे लाने के लिए रैंप (भुजाएं) बनाने लायक जगह भी उपलब्ध नहीं मिली। आइडीए सीइओ परीक्षित झाड़े का कहना है कि सर्वे रिपोर्ट में एलिवेटेड के लिए व्यवहारिकता नहीं मिली है।सड़क की चौड़ाई और लंबी दूरी का ट्रैफिक कम होने से फिलहाल योजना को होल्ड कर दिया है।

एमपी ट्रांसको के सहायक अभियंता प्रशिक्षुओं को ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस का व्यावहारिक प्रशिक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा प्रशिक्षणरत चार सहायक अभियंताओं (ट्रेनी असिस्टेंट इंजीनियर) को 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन के अनुरक्षण (मेंटेनेंस) कार्य का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान फ्लैशओवर से प्रभावित डिस्क इंसुलेटर के प्रतिस्थापन (रिप्लेसमेंट) के लिए लिए गए शटडाउन कार्य का प्रत्यक्ष अवलोकन कराया गया।

प्रशिक्षुओं को शटडाउन लेने की संपूर्ण प्रक्रिया, निर्धारित सुरक्षा मानकों, वर्क परमिट प्रणाली, ट्रांसमिशन लाइन को सुरक्षित रूप से आइसोलेट करने की प्रक्रिया तथा कार्यस्थल पर उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों एवं औजारों की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही उन्होंने डिस्क इंसुलेटर बदलने की वास्तविक प्रक्रिया का निकट से अवलोकन किया तथा ट्रांसमिशन लाइन के अनुरक्षण कार्यों की तकनीकी बारीकियों को समझा।

प्रशिक्षण के दौरान अभियंताओं को विद्युत ट्रांसमिशन प्रणाली में सुरक्षा प्रक्रियाओं का महत्व, एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचटी) लाइनों पर कार्य के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां तथा उपकरणों के सुरक्षित संचालन का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त हुआ। इस प्रकार का फील्ड प्रशिक्षण अभियंताओं के तकनीकी कौशल, कार्य दक्षता एवं सुरक्षित कार्य संस्कृति के विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वरिष्ठ अधिकारियों ने दिया फील्ड प्रशिक्षण- मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी,भोपाल के कार्यपालन अभियंता श्री रवि चौरसिया एवं सहायक अभियंता श्री अंकित महरौलिया ने स्वयं प्रशिक्षण का संचालन किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं को शटडाउन प्रबंधन, कार्यस्थल पर सुरक्षा उपायों, एक्स्ट्रा हाई टेंशन ट्रांसमिशन लाइनों के अनुरक्षण से संबंधित तकनीकी प्रक्रियाओं तथा कार्य निष्पादन के व्यावहारिक पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी।

अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर सख्त कार्रवाई

अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के तीन प्रकरणों में 1.76 लाख रुपये से अधिक की शास्ति अधिरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत तीन अलग-अलग प्रकरणों में वाहन मालिकों पर कुल 1 लाख 76 हजार 550 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

जारी आदेशों के अनुसार, पुलिस थाना बघाना द्वारा जप्त जेसीबी क्रमांक RJ35EA1285 से बिना रॉयल्टी मुरूम का अवैध उत्खनन पाए जाने पर वाहन मालिक राजेन्द्रसिंह पिता गणपतलाल बावरी, निवासी साण्डीखेड़ा पर 58 हजार 500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। इसमें 29 हजार 250 रुपये रॉयल्टी का 15 गुना तथा 29 हजार 250 रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति शामिल है।

इसी प्रकार पुलिस थाना नीमच द्वारा रेत का अवैध भंडारण पाए जाने पर वाहन मालिक महेश पिता किशनलाल अहिर, निवासी वार्ड क्रमांक-10, बंगाली कॉलोनी, ग्वालटोली, नीमच पर 11 हजार 250 रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। इसमें 5 हजार 625 रुपये रॉयल्टी का 15 गुना तथा 5 हजार 625 रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति शामिल है।

वहीं पुलिस थाना नयागांव द्वारा डम्पर क्रमांक स्ब्क्09॥॥3919 से गिट्टी का अवैध परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक अंकुश पिता पंकज मित्तल, निवासी 75, नया बाजार, तिलक पथ, नीमच केंट पर 1 लाख 6 हजार 800 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। इसमें 10 हजार 800 रुपये रॉयल्टी का 15 गुना तथा 96 हजार रुपये पर्यावरण क्षतिपूर्ति शामिल है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने खनिज अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि अधिरोपित अर्थदंड की राशि 15 दिवस के भीतर शासकीय कोष में जमा होने की पुष्टि के उपरांत ही जप्त वाहनों को मुक्त किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीएचसी माणिकपुर में 9 सुरक्षित संस्थागत प्रसव, सुरक्षित मातृत्व सेवाओं को मिल रहा बढ़ावा

डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में जिले में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र माणिकपुर में सुरक्षित मातृत्व सेवाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा 9 सुरक्षित संस्थागत प्रसव सफलतापूर्वक संपन्न कराए गए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मानिकपुर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. लक्ष्मण सिंह धुर्वे, नर्सिंग ऑफिसर श्रीमती अनीता मड़के एवं समस्त स्वास्थ्य स्टाफ के संयुक्त एवं समर्पित प्रयासों से गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

इसी क्रम में श्रीमती नम्रता, पत्नी श्री लवकेश झरिया का सुरक्षित संस्थागत प्रसव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मानिकपुर में सफलतापूर्वक कराया गया। प्रसव के उपरांत उन्हें पीपीआईयूसीडी की सुविधा, नवजात शिशु का जन्म के समय आवश्यक टीकाकरण, आवश्यक दवाइयां तथा अन्य प्रसवोत्तर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। वर्तमान में माता एवं नवजात शिशु दोनों स्वस्थ हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस उपलब्धि में पीएचसी मानिकपुर के स्वास्थ्य कर्मचारियों, नर्सिंग स्टाफ, आशा कार्यकर्ताओं एवं सहयोगी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभाग ने सभी गर्भवती महिलाओं से अपील की है कि सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने के लिए शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में ही प्रसव कराएं तथा उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं।

विधायक ओमप्रकाश धुर्वे ने विभिन्न निर्माण कार्यों की रखी आधारशिला

डिण्डोरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। डिंडौरी के शहपुरा से क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री ओमप्रकाश धुर्वे ने ग्राम पंचायत रावणकुंड, पिपरिया एवं सरई सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में लगभग 80 लाख की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को विकास की नई सौगात दी। इस दौरान ग्राम पंचायत दल्का खम्हरिया में 37 लाख की लागत से बनने वाले नवीन पंचायत भवन, ग्राम कहेंजरा में 6 लाख की लागत की सीसी रोड, ग्राम रावणकुंड में 2 लाख की लागत से बनने वाले रंगमंच, ग्राम आबादी पिपरिया में 10 लाख की लागत की सीसी रोड तथा ग्राम पंचायत सरई में नवीन प्राथमिक शाला भवन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, पंचायत भवन एवं सामुदायिक अधोसंरचना के विकास से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा क्षेत्र के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका आर्मो, श्री बद्री प्रसाद साहू, श्री दुर्गेश साहू, श्री हिरेंद्र मरावी, मंडल महामंत्री श्री राजेंद्र तिवारी, श्रीमती प्रीति झरिया, जनपद सदस्य श्री देवीदीन झरिया सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

इंजीनियरिंग छोड़ चुनी खेती की राह, आज हजारों किसानों के लिए बने प्रेरणा

नरसिहंपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दृढ़ संकल्प, नवाचार और अपनी मिट्टी पर विश्वास हो तो खेती भी समृद्धि और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम बन सकती है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं चीचली विकासखंड की ग्राम पंचायत पुआरिया के युवा दंपति श्री कुलदीप कौरव एवं श्रीमती शिवानी कौरव, जिन्होंने प्राकृतिक खेती के माध्यम से सफलता की नई इबारत लिखी है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई बीच में छोड़कर खेती को अपना भविष्य बनाने का उनका फैसला आसान नहीं था, लेकिन आज यही निर्णय उन्हें न केवल आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना चुका है, बल्कि वे जिले के किसानों के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण भी बन गए हैं।

श्री कुलदीप कौरव ने सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की थी, लेकिन उनका मन हमेशा खेत-खलिहानों और गांव की मिट्टी में ही रमता था। उन्होंने साहसिक निर्णय लेते हुए पढ़ाई छोड़ दी और खेती को अपना जीवन बना लिया। इस सफर में उनकी पत्नी श्रीमती शिवानी कौरव हर कदम पर उनके साथ रहीं। दोनों ने तय किया कि वे खेती को परंपरागत सीमाओं तक नहीं रखेंगे, बल्कि आधुनिक तकनीकों और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग से इसे लाभकारी बनाएंगे। शुरुआत में उन्होंने महसूस किया कि रासायनिक खेती की बढ़ती लागत और मिट्टी की घटती उर्वरता किसानों के सामने बड़ी चुनौती है। इसी सोच के साथ उन्होंने प्राकृतिक खेती को अपनाया और खेत में वर्मी कम्पोस्ट इकाई स्थापित की।

दुग्ध समृद्धि अभियान के तीसरे चरण की शुरुआत 13 जुलाई से

प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से 21 जुलाई तक चलेगा विशेष जनसंपर्क अभियान

नीमच,।(सतीश सैन) प्रदेश शासन द्वारा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने एवं वैज्ञानिक पशुपालन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दुग्ध समृद्धि अभियान के तृतीय चरण का आयोजन 13 जुलाई से 21 जुलाई 2026 तक किया जाएगा। अभियान के तहत जिले में पशुपालकों से सीधे संपर्क कर उन्हें उन्नत पशुपालन, नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य संबंधी वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की जाएगी।

अभियान के सफल संचालन के लिए जिला स्तर पर डॉ.संदीप शर्मा को नोडल अधिकारी तथा विकासखंड स्तर पर संबंधित विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। अभियान के अंतर्गत 3 से 4 गौवंश एवं भैंसवंशीय पशु रखने वाले पशुपालकों के घर-घर जाकर संपर्क किया जाएगा।

जिले में अभियान के लिए 201 प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं की तैनाती की गई है, जिन्हें जिला एवं विकासखंड स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। अभियान के दौरान जिले के 10,084 पशुपालकों से संपर्क करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

गृह भ्रमण के दौरान कार्यकर्ता पशुपालकों को नस्ल सुधार, संतुलित एवं वैज्ञानिक पशु आहार, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन तथा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी देंगे। साथ ही हरे चारे के महत्व, साइलेज के उपयोग एवं उपलब्धता के संबंध में जागरूक करेंगे। उन्नत पशुपालन संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पशुपालकों को चार शैक्षणिक रील साझा की जाएंगी तथा वैज्ञानिक पशु पोषण को सरल बनाने हेतु शासन द्वारा विकसित गोरस ऐप डाउनलोड भी कराया जाएगा।

अभियान के दौरान पशुपालकों के पास उपलब्ध पशुओं का ऑनलाइन पंजीयन एवं विवरण भी अद्यतन किया जाएगा। अभियान की नियमित मॉनिटरिंग प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की जाएगी तथा जनप्रतिनिधियों को भी अभियान में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

बैक में पेंशनर्स को जीवित होने के प्रमाण पत्र देने का नियम समाप्त होना चाहिए-पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसौदिया

सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मन्दसौर की 34वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवानिवृत्त एवं पेंशनर नागरिक महासंघ मन्दसौर की 34वीं वार्षिक साधारण सभा जनपद पंचायत सभागार मन्दसौर मे आयोजित हुई। साधारण सभा के प्रथम सत्र की अध्यक्षता अशोक रामावत जिलाध्यक्ष द्वारा की गई । मुख्य अतिथि गिरीराजदास सक्सेना से. नि. न्यायमूर्ति, विशेष अतिथि दिलीप मेहता प्रदेश मंत्री वरिष्ठ नागरिक परिसंघ रतलाम तथा रमेशचंद्र चन्द्रे वरिष्ठ उपाध्यक्ष व चन्द्रकान्त शर्मा जिला सचिव मंचासीन रहे। संगठन का वार्षिक प्रतिवेदन जिला सचिव चन्द्रकान्त शर्मा ने प्रस्तुत किया। वर्ष 2055-26 का आय व्यय व वर्ष 2026-27 का अनुमानित आय व्यय जिला कोषाध्यक्ष कोमल वाणवार ने प्रस्तुत किया।

वर्ष 2026-27 के लिये ऑडिटर की नियुक्ति का प्रस्ताव प्रभुदयाल शर्मा व अशोककुमार भावसार ने रखा, जिसका समर्थन करणसिंह चौहान व रमेशचंद्र सोनी ने किया। मुख्य अतिथि सक्सेना ने सभी सदस्यों से संगठन कार्य पूरी निष्ठा व समर्पण से करने का आह्वान किया। दिलीप मेहता ने कहा कि म. प्र. शासन ने वरिष्ठजनों के कल्याण के लिये वरिष्ठ नागरिक कल्याण बोर्ड का गठन किया था किंतु लम्बे समय से इसका पुनर्गठन नही किया गया हैं। अधिकारियों के भरोसे बोर्ड चल यहा हैं, इसका पुनर्गठन कर इसमें वरिष्ठ नागरिकों को सम्मिलित किया जावे। मन्दसौर जिले मे पेंशनर संघ बहुत अच्छा काम कर रहा हैं ऐसा संगठन पूरे प्रदेश मे किसी भी जिले मे नहीं हैं। साधारण सभा का द्वितीय सत्र दोपहर से प्रारम्भ हुआ। इस सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया उपस्थित थे। अध्यक्षता अशोक रामावत ने की। मंच पर दिलीप मेहता, रमेशचंद्र चन्द्रे व डॉ देवेन्द्र पुराणिक उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक श्री सिसोदिया ने कहा कि स्व. श्री दौलतराम पटेल बहुत विचारशील थे। मैं जब नपाध्यक्ष था, तब उन्होंने मुझे एक फाईल दी थी, जिसमें उज्जैन सिंहस्थ की जानकारी थी। उनकी सलाह पर काम किया तो वर्ष 2004 मे मन्दसौर नगर को सिंहस्थ मद मे 17 लाख रुपए आवंटित हुए वर्ष 2016 मे 25 करोड़ रुपए व वर्ष 2028 के लिये 70 करोड़ का आवंटन सिंहस्थ के विकास कार्यों के लिये प्राप्त हुए। पटेल सा. के प्रयास से ही केन्द्र शासन से बजट प्राप्त कर नगरपालिका ने पं. दीनदयाल वृद्धजन सेवा केन्द्र का निर्माण करवाया व उसके संचालन की व्यवस्था पेंशनर संघ को लिखित में प्रदान की गई। इस केन्द्र मे टेबल टेनिस, केरम व शतरंज के खेल होते है तथा न. पा. के सहयोग से वाचनालय भी चलता हैं।मै भी पेशनर हूं चार माह तक पेंशन जमा नहीं होने पर बैक से पूछा तो उन्होने बताया आपने जीवित होने का प्रमाण पत्र नहीं दिया आपको भी देना पड़ता होगा। इस नियम में परवर्तन होना चाहिए, आप यह मांग करे कि यह नियम समाप्त हो। धारा 49-6 की समाप्ति के लिये उन्होंने जो प्रयास किये विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश शासन का कोई भी केबिनेट मन्त्री मन्दसौर जिले मे प्रवास पर आये तो आप उन्हें धारा 49-6 की समाप्ति के लिये ज्ञापन जरूर देवे। विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्रसिंह तोमर ने भी इस धारा को समाप्त करने के लिये मुख्यमंत्री को पत्र लिखा हैं। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमनसिंह ने भी केन्द्रीय गृह मंत्री को यह धारा समाप्त करने के लिये पत्र लिखा हैं। दोनो राज्यों मे एक ही दल की सरकार हैं तो इस समस्या का अब अतिशीघ्र निराकरण हो जाना चाहिए।

पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने किया वायु सेवा से सेवानिवृत सैनिक वैभव खिमेसरा का स्वागत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मंदसौर द्वारा भारतीय वायु सेना से 20 वर्ष सेवा पूर्ण कर लौटे वैभव खिमेसरा का नगर आगमन पर भारत माता चौराहा पर माला, श्री फल से स्वागत सम्मान किया। संगठन जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर ने कहा कि आज के युद्ध मिसाइल, रॉकेट और हवाई रास्ते से दुश्मन के एरिया में बमबारी बरसाए जा रहे हैं, हमले हवाई फाइटर से हो रहे हैं जिसमें वायु सेवा की अहम भूमिका रहती है। वही विनय दुबेला ने कहा कि आज हम और हमारा मंदसौर लगातार सैनिको का स्वागत कर रहे है और वायु सैनिक का अनुभव हम आज के युवाओ के वैभव के माध्यम से देंगे और अधिक संख्या में वायु सेना में युवाओं को भेजने का प्रयास करेंगे। इस अवसर पर शहर के प्रमुख समाजसेवी संगठनों ने नगरवासियों ने सैनिक वैभव का स्वागत सम्मान किया। स्वागत यात्रा भारत माता चौराहा, गांधी चौराहा, सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा होते हुए सैनिक के निवास मंदसौर पाटिल कालोनी पहुंची जहाँ भव्य स्वागत के साथ स्वागत सम्मान कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के समापन के पश्चात पूर्व सैनिकों के जिला कार्यकारणी की बैठक मंदसौर नगर पालिका सभागृह में संपन्न हुई जिसमें 26जुलाई को आने वाले कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम की कार्ययोजना बनाई। इस अवसर पर समाजसेवी विनय दुबेला, पूर्व सैनिक संगठन मार्गदर्शक श्रवण कुमार त्रिपाठी, रतन सिंह शक्तावत, आर एस जांगिड़, जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, पालड़ी दशरथ सिंह चौहान, मोहनलाल पांपोडिया, लोकेंद्र सिंह चंद्रावत, रमेश चंद शुक्ला, ऋषि राज गुर्जर, दिनेश सिंह गुर्जर, विकास ग्वाल, प्रहलाद राठौड़, लाल सिंह चंद्रावत, सन्नी भावसार, रूपचंद महावर, जितेंद्र माली, अभिनव सिंह चौहान जुगल किशोर विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्य के पूर्व सैनिक एवं समाजजन उपस्थित रहे।

84 करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी मंदसौर प्यासा, जल योजनाओं में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के आरोपों से घिरी नगर पालिका

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की जनता लंबे समय से भीषण जल संकट से जूझ रही है, बावजूद इसके कि शहर में जलापूर्ति के नाम पर 84 करोड़ रुपये की बड़ी राशि खर्च की जा चुकी है। नगर पालिका के पूर्व नेता प्रतिपक्ष तरुण खींची ने इस स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए आरोप लगाया है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी शहरवासियों को प्रतिदिन पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। स्थिति यह है कि नगर पालिका द्वारा जनता से पूरे महीने का जलकर तो वसूला जा रहा है, लेकिन पानी की आपूर्ति केवल महीने में 15 दिन ही की जा रही है।

तरुण खींची ने इस बदहाली के पीछे 28 करोड़ रुपये की कालाभाटा योजना और 56 करोड़ रुपये की चंबल योजना में हुए भारी भ्रष्टाचार को मुख्य कारण बताया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रष्टाचार के कारण कालाभाटा बांध का जलस्तर शून्य हो चुका है, वहीं चंबल योजना भी पूरी तरह विफल साबित हुई है। इस विफलता का मुख्य कारण यह है कि चंबल नदी में इंटकवेल का निर्माण निर्धारित स्थान पर नहीं किया गया, जिसके परिणामस्वरूप मई-जून जैसे भीषण गर्मी के महीनों में भी पर्याप्त पानी की उपलब्धता नहीं हो पाती है। साथ ही, पाइपलाइन में आए दिन लीकेज और फूटने की समस्या के कारण जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ?खींची ने भाजपा की परिषद पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता को जो बड़े-बड़े सपने दिखाए गए थे, उनकी असलियत सबके सामने है। उन्होंने एक व्यावहारिक विकल्प सुझाते हुए कहा कि यदि इन 84 करोड़ रुपये की आधी राशि से भी ईमानदारी के साथ कथार डेम से मिर्जापुर डेम और रामघाट तक गहरीकरण व चौड़ीकरण का कार्य किया जाता, तो मंदसौर की जनता को आगामी 50 वर्षों तक प्रतिदिन निर्बाध जल आपूर्ति मिल सकती थी। तरुण खींची ने मांग की है कि कालाभाटा और चंबल योजना में हुए कथित भ्रष्टाचार की अविलंब उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार दोषियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए ताकि जनता के धन का दुरुपयोग करने वालों को सबक मिल सके।

स्वस्थ और संस्कारित पीढ़ी सुदृढ़ राष्ट्र और परिपक्व समाज का निर्माण कर सकती है

प्रबुद्ध जन गोष्ठी में विद्यार्थियों के लिये योग ओर सैनिक शिक्षा की अनिवार्यता पर बल दिया गया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समाज और राष्ट्र में नैतिकता चरित्र तथा राष्ट्रीय भावनाओं का संप्रेषण हो सके देश का भावी समाज हमारे सनातन मूल्य और भारतीयता के साथ गहराई से जुड़े इस हेतु स्कूली बच्चों के लिए योग शिक्षा कक्षा 9 वी से 12 वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एनसीसी और महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिए सैनिक शिक्षा की अनिवार्यता की जानी चाहिए ताकि इस देश को एक स्वस्थ व राष्ट्रभक्त पीढ़ी आगे बढ़ाती रहें। इन विचारों के साथ नगर के प्रबुद्ध जनों की एक विचार गोष्ठी हुई।

गोष्ठी के मूल विषय का प्रवर्तन करते हुए वरिष्ठ समाज सेवी एवं सामाजिक चिंतक गुरुचरण बग्गा ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का नैतिक चरित्र उसकी परंपराओं और जड़ों से जुड़े रहने पर ही मजबूती प्राप्त करता है इसलिए आवश्यकता आज के दौर में इस बात की है की नई पीढ़ी स्वस्थ रहकर अपने राष्ट्र की सेवा करें इसके लिए कक्षा चार से आठवीं तक स्कूलों में योग शिक्षा अनिवार्य की जानी चाहिए बच्चे यदि वाले कल से ही योग से जुड़ गए तो भविष्य में उन्हें गंभीर रोग नहीं होंगे और विश्वास रहकर अपने परिवार समाज और राष्ट्र की सेवा करेंगे। पूर्व न्यायाधीश एवं आध्यात्मिक चिंतक रघुवीर सिंह चूण्डावत ने कहा कि हमारे पारंपरिक मूल्य और निष्ठाएं ही एक सुदृढ़ और राष्ट्रभक्त समाज का निर्माण कर सकती है। इसके लिए आवश्यक है देश की नई पीढ़ी को हमारे पारंपरिक संस्कारों से जोड़ना। आपने कहा कि हमें स्वास्थ्य, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र भक्ति के भावों के साथ बच्चों के खान-पांच पर विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। वरिष्ठ पत्रकार और सामाजिक विचारक ब्रजेश जोशी ने कहा कि नई पीढ़ी की प्रतिभा और विलक्षणता कमाल की है। यदि ये हमारी सनातन संस्कृति का भी गहराई से अध्ययन करें तो अपेक्षा से अधिक परिवर्तन ला सकती है। एक स्वस्थ और संस्कारित पीढ़ी ही सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। संस्कारों से ही समर्पण और अनुशासन के भाव आ सकते हैं। शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े वरिष्ठ चिंतक विक्रम भटनागर ने कहा कि विद्यार्थियों को योग तथा सैनिक शिक्षा से जोड़ने के लिए उनमें अभिरुचि उत्पन्न करना बहुत आवश्यक है। योग की कुछ ऐसी क्रियाएं हों जो बच्चों को रुचिकर लगे तो वे जल्द ही योग से जुड़ेंगे। साथ ही शिक्षण संस्थाओं में निर्धारित पाठ्यक्रम के साथ एनसीसी, एनएसएस और स्काउट जैसी गतिविधियों को अनिवार्य कर दिया जाए तो भविष्य में इच्छित परिणाम देखने को मिल सकते हैं। वरिष्ठ समाजसेवी बालू सिंह सिसोदिया ने कहा कि समाज और राष्ट्र में सकारात्मक परिवर्तन के लिए नई पीढ़ी को सुसंस्कृत, अनुशासित और स्वस्थ बनाने की जिम्मेदारी वर्तमान पीढ़ी की है। यदि इस दिशा में हम कुछ अच्छा कर सकें तो यह मनुष्य जीवन की सार्थकता होगी। विचार गोष्ठी में उपस्थित प्रबुद्ध जनों ने समय समय पर ऐसे ही ज्वलंत व महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और विमर्श जारी रखने की अनिवार्यता पर बल दिया।

अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत ने बाजना तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अपर कलेक्टर श्री बृजेंद्र रावत ने शनिवार को बाजना तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर विभिन्न राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री, लघु सिंचाई संगणना, सीएम हेल्पलाइन तथा नामांतरण, बंटवारा सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दि निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री रावत ने तहसीलदार श्री मनीष जैन से फार्मर रजिस्ट्री अभियान की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। तहसीलदार ने बताया कि पटवारियों के माध्यम से ग्रामवार कृषकों की सूची तैयार कराई जा रही है तथा जिन कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री अभी शेष है, उनकी कारण सहित पृथक सूची तैयार की जा रही है। इस व्यवस्थित कार्यप्रणाली की अपर कलेक्टर ने सराहना करते हुए अभियान को और अधिक गति देने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर शासन की मंशानुरूप कार्य करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

नरसिंहपुर में 13 जुलाई से शुरू होगा 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' का तृतीय चरण

नरसिहंपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' का तृतीय चरण 13 जुलाई से जिले में प्रारंभ होगा। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

प्रमुख सचिव पशुपालन श्री उमाकांत उमराव के दिशा-निर्देशों के अनुरूप इस अभियान को जिले में व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. सुनील कुमार बृजपुरिया ने अभियान के संदर्भ में प्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल, प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़िया, तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह, श्री रामसनेही पाठक, कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गजेंद्र सिंह नागेश से भेंट कर विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर डॉ. बृजपुरिया ने उन्हें पशुपालन एवं डेयरी विभाग के मंत्री श्री लखन सिंह पटेल का 'क्षीरधारा ग्राम' योजना से संबंधित पत्र भी सौंपा तथा अभियान के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया।

सम्पादकीय

सरकार के कदमों पर जनता का गुस्सा

लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह के वीडियो शेयर कर रहे हैं। एक वीडियो में, एक व्यक्ति ने पेट्रोल पंप पर बोतल में इ20 पेट्रोल लिया, जिसका रंग गुलाबी था। इसे देखकर वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल का रंग इथेनॉल मिलाने के कारण बदल गया है- 2023 में, इ20 पेट्रोल को एक साथ 11 राज्यों में लॉन्च किया गया था। अब, 2026 में, इ20 पेट्रोल को पूरे देश में अनिवार्य बनाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। सरकारी आंकड़ों की मानें तो, 2022 में देश में दोपहिया वाहनों की संख्या 21 करोड़ से अधिक थी। वहीं, चार पहिया वाहनों की संख्या भी लगभग 7 करोड़ थी। इन सभी वाहनों का क्या होगा या क्या हो रहा है, इस बारे में कोई कुछ नहीं कह रहा है- अध्ययन में शामिल 23 प्रतिशत लोगों ने बताया कि उनके वाहनों का माइलेज 20 प्रतिशत से अधिक कम हो गया है।

सरकार जिस तरह से इ20 पेट्रोल की सिफारिश कर रही है और इसे कच्चे तेल के विकल्प के रूप में बढ़ावा दे रही है, वह वास्तविकता में उतना सच नहीं है। विकास के वादे की तरह, यह इ20 पेट्रोल आभासी दुनिया में बहुत उपयोगी, स्वच्छ, सस्ता और टिकाऊ प्रतीत हो रहा है, लेकिन वास्तविक दुनिया में लोग इससे परेशान हैं। यह उल्लेखनीय है कि सरकार ने इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल यानी इ20 पेट्रोल के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। सरकार का तर्क है कि इ20 युक्त पेट्रोल से वाहनों को कोई समस्या नहीं हो रही है। दूसरी ओर, आम जनता अभी भी बहुत असमंजस में है। लोगों की चिंताएं दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। लोग लगातार सोशल मीडिया पर अपनी चिंताएं व्यक्त कर रहे हैं। लोग अपनी चिंताओं और परेशानियों को साझा कर रहे हैं कि इ20 पेट्रोल से उनके वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। सरकार गुलाबी पेट्रोल को एक आशाजनक विकास के रूप में पेश करके अपना नाम कमाने की कोशिश भी कर रही है।

वर्तमान में, सोशल मीडिया पर स्थिति ऐसी है कि कोई गुलाबी पेट्रोल का वीडियो साझा कर रहा है, तो कोई पीले पेट्रोल की तस्वीरें दिखा रहा है। कुछ लोग इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को रूह अफजा कह रहे हैं। अगर सब कुछ ठीक है, तो सरकार या प्रशासन को इस वीडियो पर ध्यान देना चाहिए। जनता में फैली इस भारी उलझन को जल्द से जल्द दूर किया जाना चाहिए। सरकार न तो कोई उलझन दूर करने के मूड में है और न ही इसमें उसकी कोई दिलचस्पी है।

हैरानी की बात यह है कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी हैं। नितिन गडकरी ने खुद कहा था कि सब कुछ ठीक है, लोगों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। गडकरी ने इ20 पेट्रोल को लेकर फैली उलझन पर अपना पक्ष रखा था। उन्होंने कहा था कि उनके पीछे एक लॉबी लगी हुई है, जिसके हितों को इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के आने से नुकसान हो रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह लॉबी कौन सी है? सरकार ने इस लॉबी को रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं? सरकार इस बारे में कोई जवाब देने को तैयार नहीं है। इसे महज एक राजनीतिक हथकंडा बताया जा रहा है, लेकिन जनता की बात पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

इसके अलावा, विपक्षी दल अपने-अपने तरीके से राजनीतिक रोटी पकाने में व्यस्त हैं। जनता के वाहन चलें या न चलें, इस इ20 पेट्रोल के नाम पर नेताओं का धंधा चलता ही रहता है। इस मुद्दे पर राजनीति अब गरमा गई है। विपक्ष सरकार से इ20 पेट्रोल को वापस लेने की मांग कर रहा है। देश में इस समय स्थिति बेहद उलझन भरी है। जनता इ20 पेट्रोल को लेकर काफी असमंजस में है। देश भर में वाहनों के खराब होने और इंजन जाम होने के कई दावे किए जा रहे हैं। इन सभी दावों की सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए। सरकार किसी भी स्पष्टीकरण या जांच में दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। दूसरी ओर, जनता उत्पीड़न की शिकायत कर रही है और व्यवस्था की ओर से असमंजस, आक्रोश और कभी-कभी उपेक्षा का माहौल बना हुआ है।

गौरतलब है कि नितिन गडकरी लंबे समय से लगातार कहते आ रहे हैं कि इ20 पेट्रोल से इंजन पर कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर कई वायरल वीडियो मौजूद हैं जिनमें इंजन में खराबी की बातें कही जा रही हैं। सोशल मीडिया पर जनता का गुस्सा साफ देखा जा सकता है। इसका सीधा मतलब है कि जनता के साथ कुछ गड़बड़ जरूर है। सरकार इथेनॉल के बारे में जो कह रही है, वह कुछ हद तक सही हो सकता है। लेकिन मुख्य बात यह है कि जनता को अपनी चिंताएं हैं। जनता की चिंताएं कम होने के बजाय लगातार बढ़ रही हैं।

अल्पायु में हृदयाघात के कारणों को समझें सहजयोग ध्यान (आध्यात्मिक विज्ञान) द्वारा

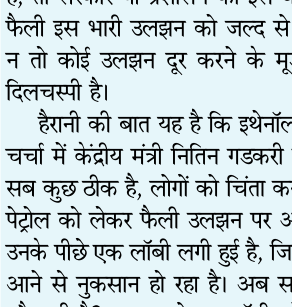

आजकल युवाओं सहित सभी आयु वर्ग में हृदयघात के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, डाक्टर्स के अनुसार इसका मुख्य कारण गतिहीन जीवनशैली, अस्वास्थ्यकर आहार, अत्यधिक तनाव, धूम्रपान, और नींद की कमी हैं। साथ ही, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा और अनुवांशिक कारण भी इसमें बड़ी भूमिका निभा रहे हैं।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से विचार करें तो हृदय चक्र सर्वाधिक महत्वपूर्ण चक्र है क्योंकि यह आरोग्यदायी और चैतन्यमय व्यक्तित्व का मूल है। हमारी आत्मा शिवस्वरुप में हमारे हृदय में है, जिसका प्रतिबिंब हमारे मस्तिष्क क्षेत्र यानि सहस्त्रार तक है। हमारे सुक्ष्म शरीर में हृदय अनाहत चक्र से जुड़ा हुआ है, जो हमारे शरीर का चौथा चक्र है जो प्रेम, करुणा और आत्म-प्रेम की भावनाओं को नियंत्रित करता है। हम यह जानने का प्रयास करते हैं कि किस प्रकार सहजयोग विद्या का आध्यात्मिक साईंस हृदय की कार्य प्रणाली व हृदय की अस्वस्थता के कारण को स्पष्ट करता है।

हम सभी जानते हैं हृदय में चार वाल्व हैं। सहज योग के अनुसार चार सुक्ष्म नाड़ियां है- पहली नाड़ी मूलाधार चक्र तक जाती? है जो हमारे सुक्ष्म शरीर का प्रथम चक्र है, और रीढ़ की हड्डी के नीचे स्थित है। यह हमारे शरीर का मूल आधार है, आध्यात्म के अनुसार मूलाधार चक्र में श्री गणेश का स्थान है जो पवित्रता और अबोधिता का गुण लिये हुए हैं तथा सदैव बाल स्वरूप में हैं। सहजयोग प्रणेता परमपूज्य श्री माताजी ने बताया है इस चक्र के नीचे नरक का द्वार है। अपवित्र, अमर्यादित और अनैतिकता वाले व्यक्ति अपनी गंदी प्रवृत्ति के कारण नरक के पात्र बन जाते हैं।

हृदय की दूसरी नाड़ी हमारी इच्छा को पूर्ण करती है। यह इच्छा भौतिक हो या भावनात्मक इसका मर्यादा में होना आवश्यक है, अन्यथा व्यक्ति का पतन निश्चित है। हृदय के अच्छे स्वास्थ्य के लिए सहज योगी को अपनी इड़ा नाड़ी पर नियमित ध्यान कर अशुद्ध इच्छा को शुद्ध इच्छा में परिवर्तित करना होता है, ताकि हमारे अंदर चैतन्य का प्रवाह बढ़े और हम निरोगी रहें। हम अपने चित्त को सुंदर प्रकृति से जोड़कर प्राकृतिक सौंदर्य व पवित्र वस्तुओं का आनंद ले सकते हैं। इससे हमारा हृदय पुलकित, आनंदित और स्वस्थ रहता है।

तीसरी नाड़ी हममें मोहमाया उत्पन्न करती है। परिवार की, रिश्तेदारों व मित्रों की, धन-दौलत व अन्य वस्तुओं की मोहमाया। इस मोहमाया में डूबना हमारे हृदय को कमजोर करता है। सहज योग ध्यान साधना से हम समर्पित होते हैं और हममें साक्षी भाव आता है, प्राणी मात्र के लिए हृदय में दया भाव होता है और हम स्वार्थ रहित होकर विश्व का हित सोचते हैं।

चौथी नाड़ी सर्वाधिक महत्वपूर्ण नाड़ी है। यह नाड़ी हृदय से शुरु होकर बांयी विशुद्धि (गले में स्थित है) से होते हुये आज्ञा चक्र(माथे पर स्थित है) से सहस्त्रार(सिर के तालु भाग) तक जाती है। इस चौथी नाड़ी में चार पंखुड़ी है। यह चारों पंखुड़ी जब लिंबिक एरिया में खुलती हैं तब साधक तुर्या समाधि में जाकर निर्विचारिता प्राप्त करता है। इस अवस्था में हमें परमेश्वर को समझने का सच्चा ज्ञान प्राप्त होता है । जब तक हृदय चक्र की चौथी नाडी नहीं खुलती है तब तक हम अंधकार मे रहते हैं।

अतः हमारी मानसिक स्थिति व कमजोर भावनायें ही हमें हृदय रोगी बनाती है। सहजयोग में जब हम ध्यान करते हैं तब हृदय चक्र की चारों नाड़ियां पूर्णतया प्रकाशित हो जाती है और हमें निर्विचारिता और परमात्मा का ज्ञान मिलता है।

केन की धारा में बहता एक सवाल – क्या इंसान भी विकास का हिस्सा है?

विकास तभी सार्थक है, जब उसकी कीमत किसी की पहचान, आजीविका और अस्तित्व न बने। आज भारत इसी प्रश्न के सामने खड़ा है। एक ओर देश की पहली नदी जोड़ो योजना के रूप में केनङ्कबेतवा परियोजना है, जिसे जल, सिंचाई और ऊर्जा का समाधान बताया जा रहा है। दूसरी ओर पन्ना और छतरपुर के जंगलों में आदिवासी महिलाएँ चिता पर लेटकर, शरीर पर मिट्टी मलकर केवल दो वाक्यों में अपना दर्द कह रही हैं– ÷जंगल हमारा, नदी हमारी÷ और ÷न्याय दो या मार दो।÷ यह केवल विरोध नहीं, लोकतंत्र पर टूटते भरोसे की तस्वीर है। अब सवाल बाँध बनने का नहीं, बल्कि यह है कि विकास की परिभाषा आखिर किसके लिए लिखी जा रही है।

केनङ्कबेतवा परियोजना का प्रमुख हिस्सा दौधन बाँध है, जो पन्ना टाइगर रिजर्व के भीतर प्रस्तावित है। इससे लगभग 9 हजार हेक्टेयर भूमि, जिसमें कोर क्षेत्र का करीब 41.41 वर्ग किलोमीटर और बफर क्षेत्र शामिल हैं, डूबेगी। करीब 23 लाख पेड़ प्रभावित होने और केन नदी का प्राकृतिक प्रवाह बदलकर जल बेतवा में भेजने की आशंका है। सरकार के अनुसार इससे 10.62 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई, 62 लाख लोगों को पेयजल और 103 मेगावाट बिजली मिलेगी। लेकिन गोंड और कोल आदिवासियों के लिए यह केवल विकास नहीं, बल्कि अस्तित्व का सवाल है। उनके लिए जंगल सिर्फ पेड़ नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति, आजीविका और पहचान का आधार है।

वादों और ज़मीनी हकीकत की दूरी ने चिता आंदोलन फिर सुलगा दिया। प्रशासन के आश्वासन के बावजूद कई गाँवों में मकान तोड़े गए, बिजली कनेक्शन काटे गए, स्कूल ढहाए गए और विरोध करने वालों पर मुकदमे दर्ज हुए। दिव्या अहिरवार, लक्ष्मी आदिवासी सहित कई महिलाएँ विरोध में डटी रहीं, जबकि सामाजिक कार्यकर्ता अमित भटनागर अनशन पर बैठे। उनका दावा है कि 7,000 से अधिक परिवार (लगभग 35-50 हजार लोग) विस्थापन की कगार पर हैं। उनके अनुसार संकट केवल घरों का नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, आजीविका और सांस्कृतिक पहचान का है। सवाल है– यदि विकास की कीमत आदिवासी समाज चुकाए और लाभ दूसरों को मिले, तो क्या यह न्यायपूर्ण विकास कहलाएगा?

इस संघर्ष का दायरा केवल विस्थापन नहीं, पूरे पारिस्थितिकी तंत्र तक है। पन्ना टाइगर रिजर्व का बड़ा हिस्सा डूबने की आशंका है, जिससे बाघों की पुनर्स्थापना, घड़ियाल संरक्षण और गिद्धों के प्राकृतिक घोंसले संकट में पड़ सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार वृक्ष कटाई और पारिस्थितिकी परिवर्तन से क्षेत्रीय वर्षा में करीब 12 प्रतिशत कमी आ सकती है। केन नदी का प्राकृतिक प्रवाह बदलने से पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ने की आशंका है। आईआईटी बॉम्बे के वैज्ञानिक भी इसके प्राकृतिक तंत्र पर प्रभाव की चेतावनी दे चुके हैं। इसलिए आदिवासियों का ÷जंगल हमारा, नदी हमारी÷ कहना विकास विरोध नहीं, बल्कि प्रकृति और भविष्य की चिंता है। किसी भी विस्थापन की सबसे बड़ी कीमत आँकड़े नहीं, इंसानी ज़िंदगियाँ चुकाती हैं। केनङ्कबेतवा परियोजना भी इसी सच्चाई के सामने है। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार 7 हजार से अधिक परिवार प्रभावित होंगे और 22 गाँव डूब क्षेत्र में समा जाएँगे। पुनर्वास को लेकर असंतोष है। किसी को साढ़े बारह लाख, तो किसी को केवल साढ़े सात लाख रुपये मुआवजा मिल रहा है। वयस्क सदस्यों को अलग परिवार का दर्जा देने की माँग अधूरी है। आदिवासी समाज नकद नहीं, ÷भूमि के बदले भूमि÷ चाहता है, क्योंकि जंगल और खेत उसके जीवन का आधार हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के अधिकारों की अनदेखी हो रही है। पर्याप्त सूचना बिना मकान तोड़े जाने से प्रशासन और समाज के बीच भरोसे की खाई गहरी हुई है।

तस्वीर का दूसरा पहलू भी अहम है। सरकार का तर्क है कि भविष्य की जल जरूरतों के लिए बड़े समाधान जरूरी हैं। सिंचाई, पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। लेकिन सवाल है कि किसी परियोजना का मूल्य केवल लाभ से तय होगा या उसकी सामाजिक और पर्यावरणीय कीमत से भी। केनङ्कबेतवा परियोजना ने फिर बहस छेड़ी है कि नदी जोड़ो योजनाएँ तभी सफल होंगी, जब वे स्थानीय परिस्थितियों, पारिस्थितिकी और समाज की जरूरतों के अनुरूप हों। केवल इंजीनियरिंग समाधान, प्रकृति और समुदाय की सहमति बिना, स्थायी नहीं हो सकते। विकास तभी सार्थक है, जब लाभ और कीमत का न्यायपूर्ण संतुलन हो।

बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे, टिकाऊ विकल्प भी जरूरी हैं। विशेषज्ञ वर्षा जल संचयन, छोटे बाँध, जलग्रहण प्रबंधन और स्थानीय जल संरक्षण को बेहतर समाधान मानते हैं। सवाल है कि मध्य प्रदेश अपने जंगलों, वन्य संपदा और जल संसाधनों की कीमत चुका रहा है, जबकि लाभ का बड़ा हिस्सा उत्तर प्रदेश को मिलेगा। सर्वोच्च न्यायालय की सेंट्रल एम्पावर्ड कमिटी ने भी परियोजना की पर्यावरणीय और आर्थिक व्यवहार्यता पर गंभीर आपत्तियाँ दर्ज की थीं, लेकिन उन्हें महत्व नहीं मिला। यदि बड़े निर्णयों में वैज्ञानिक चेतावनियाँ, स्थानीय अनुभव और न्यायपूर्ण पुनर्वास उपेक्षित रहें, तो विकास का दावा संदेह के घेरे में आता है। लोकतंत्र की शक्ति केवल निर्णय में नहीं, असहमति सुनने में भी है।

पन्ना और छतरपुर से उठता यह संघर्ष अब केवल कुछ गाँवों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सवाल उठाता है कि भारत का विकास प्रकृति और मानव के संतुलन के साथ होगा या जंगलों और संस्कृतियों की कीमत पर। आदिवासी महिलाओं का संघर्ष केवल मुआवजे का नहीं, बल्कि सम्मान, अस्तित्व और आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों का है। सरकार को पारदर्शी पुनर्वास, प्रभावी पर्यावरणीय समीक्षा और स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। पन्ना टाइगर रिजर्व के नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेटर पन्ना लैंडस्केप प्लान के तहत 47,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में वन विकास प्रस्तावित है। इतिहास बाँधों की ऊँचाई नहीं, बल्कि कमजोर वर्गों के साथ राष्ट्र के व्यवहार को याद रखता है। विकास तभी टिकाऊ होगा, जब वह प्रकृति और लोगों की सहमति से आगे बढ़े।

-प्रो. आरके जैन

चीन 3.41 ट्रिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा के साथ विश्व में अग्रणी है

जिनमें जापान 1.26 ट्रिलियन डॉलर के साथ दूसरे और भारत 541 बिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर है। विश्व के शीर्ष 10 सबसे बड़े भंडार वाले देशों में से 7 अकेले एशिया से हैं। यह दशकों से निर्यात-आधारित आर्थिक विकास को दर्शाता है। आज के विशाल विदेशी मुद्रा भंडार लगभग तीन दशक पहले 1997 में आए एक बड़े आर्थिक संकट का परिणाम हैं- विशेष रूप से चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देशों ने अपनी अर्थव्यवस्थाओं को घरेलू खपत की तुलना में वैश्विक निर्यात पर अधिक केंद्रित किया है। उन्होंने निर्यात-आधारित विकास को प्राथमिकता दी है और इससे उन्हें बहुत लाभ हुआ है। उन्हें व्यापार अधिशेष का लाभ मिलता है। उनके खजाने विदेशी मुद्रा से भरे हुए हैं- इस सूची में अमेरिका 13वें स्थान पर है। वास्तव में, अमेरिकी डॉलर का वैश्विक प्रभुत्व इसका कारण है। वर्तमान में विश्व में विदेशी मुद्रा पर इसका एकाधिकार है। विश्व के सभी देश अंतरराष्ट्रीय व्यापार करने के लिए अमेरिकी डॉलर का उपयोग करते हैं। इनमें कच्चे तेल, गैस, सोने आदि की खरीद-बिक्री में डॉलर के माध्यम से भुगतान किया जाता है।

विश्व भर में चल रहे विभिन्न युद्धों और संघर्षों के कारण पूरी विश्व अर्थव्यवस्था उथल-पुथल में है। विकासशील देशों की स्थिति और भी खराब हो रही है। उनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही अस्थिर है, और जब इस पर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च की जाती है, तो उनकी स्थिति और भी बदतर हो जाती है। आज के समय में, किसी भी देश की आर्थिक स्थिरता उसकी विदेशी मुद्रा पर बहुत हद तक निर्भर करती है। सरल शब्दों में, इस निधि को संकट के समय के लिए देश के केंद्रीय बैंक के पास रखा गया आपातकालीन कोष भी कहा जाता है। वर्तमान में, किसी देश के पास जितनी अधिक विदेशी मुद्रा होती है, उसका वैश्विक व्यापार और क्रय शक्ति उतनी ही अधिक होती है। केवल इसी आधार पर वह वर्तमान भू-राजनीतिक स्थिति में टिक सकता है। हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने विश्व स्तर पर सबसे अधिक विदेशी मुद्रा भंडार वाले देशों की सूची जारी की। इस सूची में भी चीन का दबदबा रहा।

आईएमएफ की सूची में कहा गया है कि चीन के पास विश्व में सबसे अधिक विदेशी मुद्रा भंडार है। इस सूची में केवल कुल विदेशी मुद्रा को शामिल किया गया है, सोने को नहीं। अगर हम इसे इस तरह भी देखें, तो भी चीन विश्व में अग्रणी बना हुआ है। चीन के पास 3.41 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की विदेशी मुद्रा है।

वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र का केंद्र होने और दुनिया भर में कई वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात करने के कारण, चीन की अर्थव्यवस्था का मुख्य स्रोत निर्यात है, जिससे उसे भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है। इसके बाद इस सूची में जापान का स्थान आता है। जापान के पास भी 1.26 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की विदेशी मुद्रा है। बड़ी मात्रा में कारों और इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात करने वाले जापान की विदेशी मुद्रा आय भी अधिक है।

राम मंदिर की मर्यादा को आघात पहुंचाती दुष्प्रचार की राजनीति

आजकल अयोध्या के श्री राम मंदिर में उद्घाटित चढ़ावा चोरी का प्रकरण चर्चाओं में है। कहना अतिश्योक्ति नहीं कि पारंपरिक मंदिर विरोधियों के लिए यह दुष्प्रचार का सर्वाधिक सुविधाजनक अस्त्र बन गया है। श्री राम, राम मंदिर, सनातन और सबसे बड़ी बात भारत अर्थात भारतीयता को खंडित करने के कुत्सित प्रयास एक बार फिर चरम पर हैं। इनसे बचने के साथ-साथ श्री राम मंदिर पर हुए हमले और फिर उसे मुक्ति दिलाने हेतु करोड़ों करोड़ राम भक्त बलिदानियों, खुशी खुशी प्राण उत्सर्ग करने वाले दिवंगत कार सेवकों तथा भव्य राम मंदिर निर्माण हेतु जीवन दान देने वाले सेवकों के संघर्ष पर गौर करने की जरूरत है। क्योंकि ?इतिहासिक साक्ष्य हैं कि जो राष्ट्र अपनी सांस्कृतिक चेतना को विस्मृत कर देता है और अपने गौरवशाली अतीत के प्रतीकों की रक्षा नहीं कर पाता, उसका अस्तित्व अंततः संकट में पड़ जाता है। अयोध्या में प्रभु श्री राम की पावन जन्मभूमि पर निर्मित भव्य और दिव्य मंदिर केवल पत्थरों, स्तंभों या नक्काशी का कोई सामान्य भौतिक ढांचा नहीं है। यह भारत की चिरंतन आत्मा, उसकी सांस्कृतिक अस्मिता, सदियों के धैर्य और राष्ट्रीय पुनर्जागरण का साक्षात, जीवंत प्रतीक है।

सन् 1528 में विदेशी मुगल आक्रांता मीर बाकी द्वारा सनातन आस्था के इस परम केंद्र को जिस क्रूरता के साथ ध्वस्त किया गया था, वह भारत के मर्म पर एक गहरा घाव था। उस ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने और अपनी आस्था की पुनर्स्थापना के लिए सनातन समाज ने 500 वर्षों का एक अभूतपूर्व, अनवरत और धैर्यपूर्ण संघर्ष लड़ा है, जो विश्व के इतिहास में सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा का सबसे लंबा आंदोलन है।

16वीं शताब्दी से लेकर 19वीं शताब्दी के मध्य तक, इस पवित्र भूमि की मुक्ति और प्रभु श्री राम के मंदिर की पुनर्स्थापना के लिए छोटे-बड़े 76 युद्ध लड़े गए। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले इस महायज्ञ में लाखों राम भक्तों ने बिना किसी संकोच के अपने प्राणों की आहुति दे दी। आज़ाद भारत के इतिहास में भी जब इस आंदोलन ने एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप लिया, तब भी राम भक्तों के मार्ग में कांटे ही बिछाए गए। तत्कालीन सत्ताधीशों, छद्म-धर्मनिरपेक्ष ताकतों और व्यवस्था की क्रूरता का वह खूनी मंजर देश कभी नहीं भूल सकता, जब अयोध्या की सड़कों पर निहत्थे और शांतिपूर्ण कारसेवकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसाई गईं। उस दमन चक्र के कारण बार-बार राम भक्तों के खून से सरयू का पवित्र जल लाल होता रहा।

इस अंतहीन और कष्टकारी संघर्ष को वैचारिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक नेतृत्व प्रदान करने का महती कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद जैसे राष्ट्रवादी संगठनों ने किया।

आंदोलन की धार को कुंद करने और राष्ट्रवादियों का मनोबल तोड़ने के लिए तत्कालीन राम-विरोधी सरकारों ने दमन की पराकाष्ठा पार करते हुए चार राज्यों की चुनी हुई भाजपा सरकारों को असंवैधानिक रूप से बर्खास्त कर दिया। परंतु, राष्ट्रवाद के पथ पर चलने वाले कार्यकर्ताओं और नेताओं ने प्रभु श्री राम के चरणों में अपनी सत्ताओं और सरकारों का बलिदान सहर्ष स्वीकार कर लिया। तुष्टिकरण की संकीर्ण राजनीति के तहत बहुसंख्यक सनातन समाज को लगातार टारगेट पर रखा गया, राम भक्तों पर सांप्रदायिक और आतंकवादी होने के झूठे इल्जाम लगाए गए, और धर्मनिरपेक्षता की आड़ में सनातन समाज को विखंडित करने की गहरी साजिशें रची गईं। इस दमन और षड्यंत्र का सबसे शर्मनाक अध्याय तब लिखा गया, जब देश की सर्वोच्च वैधानिक संस्थाओं में तत्कालीन सरकारों द्वारा भगवान श्री राम के अस्तित्व को ही काल्पनिक और कल्पित बताने का दुस्साहस किया गया।

यह आंदोलन तब और अधिक पीड़ादायक तथा चुनौतीपूर्ण हो गया, जब राम मंदिर के घोर विरोधी धर्मनिरपेक्ष नेताओं, वामपंथी इतिहासकारों और राजनीतिक दलों ने राम जन्मभूमि मुक्ति की इस न्यायपूर्ण लड़ाई में लगातार वैधानिक व्यवधान पैदा किए। अदालतों में तारीखें बढ़वाने से लेकर जनमानस को भ्रमित करने तक, हर संभव प्रयास किया गया ताकि यह भव्य मंदिर निर्माण का संकल्प कभी हकीकत न बन सके। हिंदू विरोधी संगठन और नेता इस पवित्र आंदोलन के विरोध में ही लगातार मोर्चा संभाले रहे, जिससे यह संघर्ष दिनों-दिन और अधिक कठिन होता गया। परंतु सनातन धर्म का मूल मंत्र है सत्यमेव जयते। तमाम कानूनी अड़चनों, कुतर्कों, राजनैतिक अवरोधों और दुष्प्रचार के पहाड़ को ढहाते हुए अंततः सत्य की पूर्ण विजय हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सरसंघचालक श्री मोहन भागवत और देश के यशस्वी, लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के गरिमामय मार्गदर्शन में जब मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ होकर पूर्ण हुआ, तो यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में सोमनाथ मंदिर के बाद सांस्कृतिक गौरव का दूसरा सबसे महान ऐतिहासिक क्षण बन गया। बाद में भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा इस पावन धाम में आकर माथा टेकने और प्रभु के दर्शन करने की घटना ने यह पूरी तरह सिद्ध कर दिया कि अब भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों पर गर्व करने से रत्ती भर भी हिचकिचाने वाला नहीं है।

बदलते और निरंतर एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरते जा रहे भारत की यह तस्वीर एकदम नई और अभूतपूर्व थी। अभी तक देश ने देखा था कि तथाकथित धर्मनिरपेक्ष नेता मंदिरों से तो सर्वथा दूरी बनाकर ही रखते थे और केवल मस्जिदों, दरगाहों तथा इफ्तार पार्टियों में शिरकत करने को ही धर्मनिरपेक्षता का एकमात्र पैमाना मानते थे। इस नए परिदृश्य से मंदिर विरोधियों और तुष्टिकरण के वैज्ञानिकों में घोर हताशा फैल गई। क्योंकि संपूर्ण देश में एक अभूतपूर्व सकारात्मक वातावरण का निर्माण हो चुका था। यह विशुद्ध भारतीयता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का भाव आज डेढ़ अरब जनता के अटूट आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुका है। वैश्विक स्तर पर भी भव्य राम मंदिर का यह प्रादुर्भाव भारत की सनातन एकता और एक मजबूत, संप्रभु देश की अंतरराष्ट्रीय पहचान बनकर उभरा है। इस सांस्कृतिक लहर के सामने मंदिर विरोधी पूरी तरह अप्रासंगिक होकर खिसिया कर रह गए।

जब राम मंदिर निर्माण की शुचिता, उसकी भव्यता और उसकी उत्कृष्ट इंजीनियरिंग ने विरोधियों के सारे झूठे दावों को ध्वस्त कर दिया और उनके मुंह पर एक जोरदार तमाचा जड़ा, तो इन पराजित और हताश तत्वों को एक नए मौके की तलाश थी। तभी से घात लगा कर बैठे राक्षस प्रवृत्ति के लोगों को एक ऐसे अवसर का इंतजार था, जिसकी आड़ लेकर वे पुनः श्री राम मंदिर और राम भक्तों के माथे पर कलंक लगा सकें। जैसी कि आशंका व्यक्त की जा रही है, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से मंदिर की चढ़ावा गणना व्यवस्था और प्रशासनिक प्रबंधन में इन मंदिर विरोधियों के कुछ छद्म तत्वों को घुसपैठ करने में सफलता प्राप्त हो गई। संभवत इन्हीं राम विरोधी तत्वों की करतूतों के चलते राम भक्तों को चोर कहने का एक अवसर उन लोगों को मिल गया, जो कल तक श्री राम को काल्पनिक कहते थे। ?आज इसी प्रशासनिक या मानवीय चूक को आधार बनाकर राम मंदिर के पारंपरिक विरोधी देश भर में चढ़ावा चोरी का एक कृत्रिम बवंडर खड़ा करने के जी-तोड़ प्रयासों में जुट गए हैं। लेकिन इस तथाकथित प्रकटीकरण और दुष्प्रचार के पीछे छिपे चेहरों को देखकर कुछ अत्यंत गंभीर, तार्किक और विचारोत्तेजक प्रश्न खड़े होते हैं, जिनका उत्तर आज हर सनातनी को खोजना होगा।

इस कथित चढ़ावा चोरी के दुष्प्रचार को हवा देने में उस राजनैतिक दल और उसके नेताओं की सक्रिय भागीदारी कैसे संभव हुई, जिन पर राम जन्मभूमि का पुरजोर विरोध करने और निहत्थे राम भक्तों पर गोलियां चलवाने का दाग जगजाहिर और इतिहास में दर्ज है?

अतीत में हिंदुओं को बदनाम करने के लिए भगवा आतंकवाद का झूठा और खतरनाक शिगूफा छोड़ने वाले राजनैतिक तत्व आज अचानक इतने बड़े राम प्रेमी कैसे हो गए कि उन्हें मंदिर की व्यवस्था की चिंता सताने लगी। ये महाकाल लोक से अयोध्या जी तक पदयात्रा के माध्यम से मंदिर विरोधी बवंडर को अधिकतम विकराल स्वरूप देने के लिए सक्रिय हो गए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय में हलफनामा देकर प्रभु श्री राम के अस्तित्व को पूरी तरह काल्पनिक बताने वाली कांग्रेस और उसके सहयोगी दल आज अचानक राम भक्तों की भावनाओं की कद्रदान होने का ढोंग कैसे कर सकते हैं?

इन प्रश्नों का उत्तर स्पष्ट है, यह कोई मंदिर की चिंता नहीं, बल्कि सनातन समाज में पुनः विखंडन और बिखराव पैदा करने की एक बहुत बड़ी और गहरी राजनीतिक साजिश है। वे इस विसंगति को तूल देकर उस आंदोलन, उन संगठनों और उन करोड़ों भक्तों की निष्ठा पर कीचड़ उछालना चाहते हैं, जिन्होंने अपना सर्वस्व दांव पर लगाकर पहले श्री राम जन्मभूमि को विधर्मियों से मुक्त कराया और अब वहां पर भव्य श्री राम मंदिर का मूर्त रूप देखकर उत्साहित हो रहे हैं।

राम भक्तों की आस्था सर्वथा असंदिग्ध, अटूट और परम पवित्र है। राम मंदिर निर्माण, जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में अपना पूरा जीवन, करियर और परिवार दांव पर लगाने वाले निस्वार्थ सेवक और संगठन कभी भी भ्रष्ट नहीं हो सकते। यह पूरी तरह सत्य है कि व्यवस्थागत सावधानी में कहीं न कहीं चूक अवश्य हुई है, जिसका अनुचित लाभ उठाकर मंदिर एवं सनातन विरोधियों ने वैश्विक स्तर पर लगातार आगे बढ़ रहे राष्ट्र के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। परंतु, हमें विचलित होने के स्थान पर भारतीय न्याय व्यवस्था और राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की शुचिता व पारदर्शिता पर पूर्ण भरोसा रखने की आवश्यकता है। ?यह समय अत्यधिक सजग, सतर्क और संगठित रहने का है। हिंदू समाज को विखंडित करने, जातियों में बांटने और सनातन विरोधी एजेंडे को हवा देने के इन कुत्सित और नापाक मंसूबों को हमें एकजुट होकर विफल करना होगा। जब तक आंतरिक जांच और न्याय व्यवस्था दूध का दूध और पानी का पानी न कर दे, तब तक हमें इन सनातन-विरोधियों के हर दुष्प्रचार का पुरजोर विरोध करना होगा और राष्ट्र की इस अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर की पवित्रता व मर्यादा को अक्षुण्ण रखना होगा।

-धनंजय राजौरा

क्या भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है?

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी में किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता,आर्थिक विकास दर अथवातकनीकी उपलब्धियों से नहीं आँकी जाएगी,बल्कि इस बात से भी निर्धारित होगी कि वह जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती के सामने अपने नागरिकों,संसाधनों और विकास की निरंतरता को कितनी प्रभावी ढंग से सुरक्षित रख पाता है।प्राकृतिक आपदाएँ अब अपवाद नहीं रहीं; वे जलवायु परिवर्तन के कारण एक नई वैश्विक वास्तविकता बनती जा रही हैं। इसलिए भारत के लिए यह समय केवल परिस्थितियों का सामना करने का नहीं, बल्कि भविष्य को ध्यान में रखकर ऐसी राष्ट्रीय रणनीति विकसित करने का है, जो आने वाली पीढ़ियों को अधिक सुरक्षित,सक्षम और पर्यावरण- अनुकूल भारत प्रदान कर सके।इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी,गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि यह समय की माँग है कि जलवायु परिवर्तन को केवल राज्य व केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय का विषय न मानकर राष्ट्रीय नीति और विकास रणनीति के केंद्र में रखा जाए।सरकार को चाहिए कि आपदा प्रबंधन को केवल राहत और पुनर्वास तक सीमित न रखकर उसे राष्ट्रीय विकास नीति का अनिवार्य अंग बनाया जाए।प्रत्येक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय अवसंरचना परियोजना चाहे वह राजमार्ग हो,रेलवे,स्मार्ट सिटी, औद्योगिक गलियारा, बंदरगाह या आवासीय परियोजना उसका जलवायु जोखिम मूल्यांकन अनिवार्य किया जाना चाहिए। यदि विकास परियोजनाएँ संभावित प्राकृतिक जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाई जाएँगी, तो भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।यह दृष्टिकोण अल्पकालिक खर्च अवश्य बढ़ाएगा,परंतु दीर्घकाल में राष्ट्र को कहीं अधिक सुरक्षित और आर्थिक रूप से सटीकता से सक्षम बनाएगा।

साथियों,वर्तमान मानसून 7 जुलाई 2026 शाम 6 बजे तक ने देश के अनेक राज्यों को प्रभावित किया है। महाराष्ट्र केरल,कर्नाटक,उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश,असम तथा पूर्वोत्तर के कई क्षेत्रों में भारी वर्षा, जलभराव, भूस्खलन और नदी तंत्र के उफान ने जनजीवन को प्रभावित किया है। विशेष रूप से महानगरों में कुछ घंटों की वर्षा भी यातायात,स्वास्थ्य सेवाओं,बिजली आपूर्ति और आर्थिक गतिविधियों को बाधित कर देती है।वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएँ यह दर्शाती हैं कि अनियोजित निर्माण, वनों की कटाई और बदलते वर्षा पैटर्न ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि विकास और पर्यावरण के बीच असंतुलन का परिणाम भी है।जहाँ पहले कई दिनों तक सामान्य वर्षा होती थी, वहीं अब कुछ ही घंटों में अत्यधिक वर्षा होने लगी है। इससे शहरी जलनिकासी व्यवस्था,नदी तंत्र और पहाड़ी ढलानों पर अचानक दबाव बढ़ता है। यही कारण है कि विश्व के अनेक देशों में फ्लैश फ्लड,बादल फटना, समुद्री तूफान और भीषण गर्मी जैसी घटनाएँ पहले की तुलना में अधिक तीव्र और अधिक बार दिखाई दे रही हैं। भारत भी इस वैश्विक परिवर्तन से अछूता नहीं है। साथियों,जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रभाव समाज के उस वर्ग पर पड़ता है जिसकी आजीविका सीधे प्रकृति पर निर्भर है। भारत की बड़ी आबादी कृषि, मत्स्य पालन, वानिकी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ी हुई है। असमय वर्षा, लंबे सूखे, ओलावृष्टि और बाढ़ किसानों की मेहनत को कुछ ही घंटों में नष्ट कर देते हैं। इससे खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आय,रोजगार और महँगाई सभी प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर शहरी क्षेत्रों में उद्योग,परिवहन पर्यटन शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ भी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित होकर आर्थिक नुकसान को बढ़ाती हैं। इसलिए जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा का भी प्रश्न बन चुका है।

साथियों, स्थानीय प्रशासन की भूमिका इस परिवर्तन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।जिला प्रशासन, नगर निकाय, ग्राम पंचायतें और स्थानीय समुदाय आपदा प्रबंधन की पहली पंक्ति होते हैं। इसलिए प्रत्येक जिले के लिए स्थानीय भूगोल, वर्षा पैटर्न, नदी तंत्र,भूस्खलन संभावित क्षेत्रों तथा शहरी जलभराव के आधार पर स्थानीय आपदा कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिएडिजिटल मानचित्रण रीयल-टाइम मॉनिटरिंग और मोबाइल आधारित चेतावनी प्रणाली को गाँव-गाँव तक पहुँचाना अब विलासिता नहीं, बल्कि आवश्यकता है। जिस प्रकार टीकाकरण या स्वच्छता अभियान जनआंदोलन बने, उसी प्रकार आपदा जागरूकता और जलवायु अनुकूलन को भी जनभागीदारी का अभियान बनाना होगा।शिक्षा इस परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम हो सकती है।

-सुनील कुमार महला

एसआई के हाथों में थानों की कमान, टीआई रिजर्व अधिकारी

सुनेरा, मो.बड़ोदिया और कालापीपल में उनि संभाल रहे थाना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पुलिस अधिकारियों की पद स्थापना इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। जहां तीन थानों की कमान उप निरीक्षक (एसआई) संभाल रहे हैं, वहीं निरीक्षक (टीआई) स्तर के पांच अधिकारी लंबे समय से पुलिस लाइन में रिजर्व हैं। इस व्यवस्था को लेकर पुलिस विभाग के भीतर सवाल उठ रहे हैं।

वर्तमान में सुनेरा, मोहन बड़ोदिया और कालापीपल थानों का प्रभार उप निरीक्षकों के पास है। सुनेरा में एसआई अंकित मुकाती, मोहन बड़ोदिया में एसआई अरविंद तोमर और कालापीपल में एसआई रवि भंडारी थाना प्रभारी के रूप में कार्यरत हैं। जबकि थाना प्रभारी का पद निरीक्षक (टीआई) स्तर के अधिकारी को दिया जाता है और उनकी अनुपस्थिति में ही एसआई को यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है। लेकिन यहां उल्टी गंगा बह रही है। दूसरी ओर जिले में निरीक्षक स्तर के पांच अधिकारी पुलिस लाइन में रिजर्व के रूप में पदस्थ हैं। इनमें प्रेम किशोर व्यास, भीम सिंह पटेल, मदन इवने, पंकज शाक्य और केशरबाई राजपूत शामिल हैं। विभागीय सूत्रों के अनुसार ये अधिकारी लंबे समय से पुलिस लाइन में तैनात हैं। पुलिस विभाग के भीतर इस व्यवस्था को लेकर असंतोष की चर्चा है। पुलिस विभाग के ही एक अधिकारी की माने तो थाना प्रभारियों की नियुक्ति को लेकर कई अधिकारियों में नाराजगी है। उनका आरोप है कि कुछ पदस्थापनाओं में राजनीतिक प्रभाव देखने को मिल रहा है और प्रभावशाली लोगों के करीबी अधिकारियों को प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रदर्शन के आधार पर तय होती है जवाबदारी- मामले को लेकर एसपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि जिले के सभी अधिकारियों का मूल्यांकन पूरी तरह निष्पक्ष और प्रदर्शन आधारित होगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक थाना और अधिकारी की कार्यशैली, अपराधों के खुलासे, कानून-व्यवस्था बनाए रखने की क्षमता, बाउंड ओवर कार्रवाई और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस अधिकारी का प्रदर्शन बेहतर होगा, उसे उसी के अनुरूप जिम्मेदारी दी जाएगी। पुलिस विभाग में कार्यकुशलता और परिणामों को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी तरीके से निर्णय लिए जाएंगे।

पोलायकला ने जीती बजरंग दल कबड्डी प्रतियोगिता, स्टेडियम पर हुआ आयोजन, आठ टीमे हुई शामिल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी विहिप व बजरंग दल द्वारा जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में पोलायकला की टीम विजेता बनी, जबकि मक्सी उपविजेता रही। यह प्रतियोगिता रविवार को दुपाड़ा रोड स्थित स्टेडियम में संपन्न हुई, जिसमें जिले के आठ प्रखंडों की टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे हुआ। मुख्य अतिथि महेश गोठी, नितिन पाटीदार और मुकेश पाटीदार ने भारत माता और प्रभु श्रीराम के चित्रों पर माल्यार्पण कर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। यह आयोजन शाम 4 बजे तक चला। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने रोमांचक मुकाबले खेले और दमदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले में पोलायकला प्रखंड की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। मक्सी प्रखंड की टीम दूसरे स्थान पर रही। विजेता और उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। बजरंग दल के प्रांत संयोजक नितिन पाटीदार ने बताया कि संगठन हर साल मध्यप्रदेश के सभी जिलों में ऐसी जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में शारीरिक क्षमता, अनुशासन, टीम भावना और राष्ट्रभक्ति को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को खेलों से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें सशक्त और जागरूक बनाने का भी माध्यम हैं। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में खिलाड़ी, कार्यकर्ता और खेल प्रेमी उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

चालक को आई झपकी, हाईवे पर पलटा ट्रक, मुरेना से पोल्ट्री फीड लेकर जा रहा था महाराष्ट्र

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल हाईवे-52 पर रविवार अल सुबह पोल्ट्री फीट से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। यह हादसा सुबह-सुबह चालक को नींद आने की वजह से हुआ जिससे वह वाहन से नियंत्रण खो बैठा और वाहन पलट गया।

घटना मिडवे के सामने सुबह करीब 5 बजे हुई। हादसे में ट्रक चालक पूरी तरह सुरक्षित रहा। ट्रक चालक अजय पिता रामसिंह धाकड़ निवासी सेमरी, जिला शिवपुरी मुरैना से महाराष्ट्र की ओर जा रहे थे। ट्रक में मुर्गी पालन के लिए उपयोग होने वाला दाना (पोल्ट्री फीड) भरा हुआ था। बताया जाता है कि चालक को वाहन चलाते समय नींद की झपकी आ गई थी। इसी दौरान सामने अचानक किसी वाहन के आने से ट्रक अनियंत्रित हो गया। चालक ने वाहन को बचाने का प्रयास किया, लेकिन ट्रक सड़क के बीच बनी खंती में उतरकर पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मी अशोक और पायलट अंकित बरेठा ने तत्काल यातायात नियंत्रित किया।

अब बारिश का इंतजार, पांच दिनों से सूखे पड़े खेत और जमीन, फसलों पर छाने लगे संकट के बादल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गत वर्ष की तर्ज पर इस बार भी मानसून की गति मन माफिक नहीं है जो पहुंच तो चुका है, लेकिन बरस नहीं रहा है। इसके अभाव में न सिर्फ नगरवासी बल्कि किसानों को अब फसलों की चिंता सताने लगी है। इधर बारिश के अभाव में लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है। इधर मौसम विभाग द्वारा भी एक सप्ताह तक बारिश न होने की आशंका जताई जा रही है।

नगर में गत दिनों अच्छी बारिश हुई थी। जिसके चलते किसानों ने खेतों में बोवनी कर दी थी, जिनकी फसलें अब 20 से 25 दिन की हो चुकी है। जिनमें फूल आने लगे हैं। इसी के साथ फसलों में अब इल्ली का प्रकोप भी बढ़ने लगा है। अब किसानों के साथ परेशानी यह है कि वे दवाई का छीड़काव कर भी दें और यदि बारिश नहीं होती है तो उनकी दवाई बेकार चली जाएगी। किसानों का कहना है कि यदि हमने बारिश के भरोसे फसलों पर दवा का छीड़काव कर दिया और बारिश दगा दे गई तो कीटों का प्रकोप कम होने के बजाए और बढ़ जाएगा क्योंकि पानी न मिलने से दवाई का असर जमीन तक नहीं पहुंचेगा जिससे फसलों को और नुकसान हो सकता है। जिसके चलते अब किसान बारिश के इंतजार में आसमान ताक रहे हैं। यही नहीं फसलों के आसपास खरपतवार भी उगने लगी है जिससे किसान फसलों की सेहत को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

वाकी तुफान ने बिगाड़ दी मानसून की सेहत- मौसम विभाग की माने तो अभी एक सप्ताह और बारिश की कोई संभावना नहीं है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि मानसून का सिस्टम एक्टिव नहीं हो रहा है और जो सिस्टम बना था वह चीन की तरफ से उठे वाकी तुफान की वजह से कमजोर हो गया और उसकी दिशा बदल दी, जिससे फिलहाल एक सप्ताह तक बारिश की संभावना न के बराबर है। हालांकि उन्होंने रिमझीम बारिश की संभावना जरूर जताई है, लेकिन तेज या सामान्य बारिश के फिलहाल आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

हल्की फुहारें दे रही गर्मी से राहत- नगर में बारिश तो नहीं हो रही, लेकिन चल रही तेज हवाओं से आ रहे बादलों से रिमझीम फुहारें लोगों को गर्मी से राहत जरूर दे रही हैं। रविवार सुबह भी नगर में करीब आधे घंटे तक हल्की फुहारें गिरने से मौसम में ठंडक घुल गई। इस दिन नगर का अधिकतम तापमान 32.4 व न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज किया गया।

अभाविप ने मैराथन दौड़ का आयोजन कर मनाया स्थापना दिवस

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के 78वें स्थापना दिवस और राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर रविवार सुबह 6.30 बजे शाजापुर में 3 किलोमीटर की मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। गांधी हॉल से शुरू हुई दौड़ में 267 छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

मैराथन गांधी हाल से शुरू होकर ट्रैफिक प्वाइंट, नई सड़क, आजाद चौक, छोटा चौक और सोमवारिया मार्ग से होती हुई पुनः गांधीहाल पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला। छात्र वर्ग में देवेंद्र सेन ने पहला, प्रदीप पटेल ने दूसरा और कुलदीप गुर्जर ने तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं छात्राओं में मेघा नायक प्रथम, कोमल राजावत द्वितीय और आरती मंडलोई तृतीय रहीं। सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में खेलो भारत के प्रांत संयोजक अमन कुमार सिंह और देवास विभाग संयोजक दक्ष यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरूण भीमावद ने प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं अमन कुमार सिंह ने युवाओं से मोबाइल की बजाय खेल मैदानों से जुड़ने का आह्वान किया। वहीं दक्ष यादव ने एबीवीपी के 78 वर्षों के इतिहास और राष्ट्र निर्माण में संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में नगर मंत्री आयुष शर्मा ने सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ, सशक्त और चिंतनशील नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

पहली बारिश में ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा डेम बह गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विगत दिनों हुई मौसम की पहली बारिश में हाटपिपलिया एवं सांवेर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत होशियारी मकोडिया मार्ग पर करीब 7.5 करोड़ की लागत से बना डेम भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। एक महीने पूर्व ही डेम का भूमिपूजन मंत्री तुलसी सिलावट एवं विधायक मनोज चौधरी द्वारा किया गया था लेकिन थोड़ी ठेकेदार और बीजेपी नेता की सांठ गांठ से बना पुल कुछ ही दिनों में एक बारिश भी नहीं झेल पाया एवं पहली ही बारिश में घटिया निर्माण के चलते डेम क्षतिग्रस्त होकर बह गया। जिसको लेकर रविवार को पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा,इंदौर जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े,जिला किसान कांग्रेस के अध्यक्ष विश्वजीत सिंह चौहान,किसान नेता हंसराज मंडलोई, जिला उपाध्यक्ष प्रेम नारायण पटेल, रजनीश पटेल घटनास्थल पर पहुंचे एवं डेम का निरीक्षण किया प्रतिनिधिमंडल ने पाया कि डेम निर्माण में बहुत ही घटिया किस्म कि सामग्री का उपयोग किया गया था।

दुष्कर्म के आरोपी को 24 घंटे में किया गिरफ्तार, सुनेरा पुलिस को मिली सफलता, जान से मारने की भी दी थी धमकी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सुनेरा थाना पुलिस ने महिला संबंधी अपराध में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक दुष्कर्म के आरोपी को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रविवार दोपहर करीब 3 बजे इस कार्रवाई का खुलासा किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला के निर्देश पर महिला संबंधी अपराधों के शीघ्र निराकरण के अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी अंकित मुकाती ने बताया कि पीड़िता ने 10 जुलाई 2026 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी ने उसे बुरी नीयत से पकड़ा, अश्लील हरकतें कीं और गलत काम करने का दबाव बनाया। विवेचना के दौरान पीड़िता ने पुलिस को बताया कि करीब एक वर्ष पूर्व भी आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। आरोपी ने घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी भी पीड़िता को दी थी। जांच के बाद गठित पुलिस टीम ने आरोपी छोटू उर्फ वीरेंद्र सिंह निवासी ग्राम भिलवाड़िया को 24 घंटे के भीतर उसके गांव भिलवाड़िया से गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश किया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी अंकित मुकाती, एसआई डी. लकड़ा, प्रधान आरक्षक सुधीर यादव, आरक्षक रुपेंद्र सिंह, तेजपाल राणा, अखिलेश भंडारी, अरुण यादव, गोविंद चंद्रवंशी, अभिषेक गुप्ता, मनोज दांगी, राहुल वर्मा और महिला आरक्षक सुनैना की विशेष भूमिका रही।

श्री सत्य सांई सेवा समिति ने रोपी हरियाली, लिया सुरक्षा का संकल्प

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर की श्री सत्य साई सेवा समिति द्वारा रविवार को प्रेम तरु अभियान चलाया। इस अभियान के अंतर्गत समिति द्वारा गोद लिए ग्राम बरवाल और स्कूल परिसर में समिति सदस्यों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे जिनकी पेड़ बनने तक सुरक्षा का संकल्प भी लिया।

समिति द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी प्रेम तरू अभियानर चलाया। रविवार को समिति सदस्यों ने ग्राम बरवाल स्थित जगदीशप्रसाद शर्मा के फार्म हाउस पर पहुंचकर पौधे रोपे और खाद डाला। इसके बाद इनकी सुरक्षा के लिए वहां ट्री गार्ड भी लगाए। साथ ही संबंधितों को संकल्प दिलाया कि वे इनकी नियमित देखभाल कर इनकी पेड़ बनने तक सुरक्षा व देखभाल करेंगे। इसके बाद समित सदस्य इंटर्नल स्कूल पहुंचे। यहां भी समिति सदस्यों द्वारा अभिया के अंतर्गत स्कूल परिसर में आम, अमरूद, बिल्वपत्र, अशोक, सुरजना, कचनार, चम्पा, आंवला, नीम्बू व कटहल के 51 पौधों का रोपण साई गायत्री मंत्र के साथ किया गया। यहां भी पौधों की सुरक्षा हेतु विद्यालय प्रशासन को संकल्प दिलाया गया। इस सेवा कार्य मे जगदीशप्रसाद शर्मा, दिनेशचंद्र झाला, गिरीश भावसार, डॉ. जगदीश भावसार, रामसिंह पंवार, राजेश वार्ष्णेय, बृजेन्द्रसिंह खीची, पीसी गुप्ता, रविंद्र धनोपिया, शिवनारायण सोनी, सुनील पंवार आदि उपस्थित थे।

एनसीसी की अनूठी पहल : पुनीत सागर अभियान के तहत जागरूकता, वन विभाग के सहयोग से 600 पौधों का रोपण

छिन्दवाडा/दैनिक मालवा हेराल्ड। 24 म.प्र. बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी कर्नल पी.के. वेलू के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा की एनसीसी इकाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से जुड़ी दो महत्वपूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत कचरा प्रबंधन विषय पर जागरूकता सत्र से हुई। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. शेखर ब्रह्मने ने कैडेटों को सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग रखने, प्लास्टिक प्रदूषण कम करने, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) को बढ़ावा देने तथा स्वच्छता बनाए रखने के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुनीत सागर अभियान का उद्देश्य केवल जल स्त्रोतों और सार्वजनिक स्थलों की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना भी है। उन्होंने कैडेटों से अपने घर, महाविद्यालय और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता का संदेश फैलाने का आह्वान किया। इसके बाद एनसीसी कैडेटों ने वन विभाग के सहयोग से परासिया के मांडई क्षेत्र में आयोजित पौधारोपण अभियान में भाग लिया। अभियान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के लगभग 50 एनसीसी कैडेटों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए करीब 600 पौधों का रोपण किया। इस दौरान सीनियर एनसीसी कैडेट्स जतिन बन्देवार, राहुल टेकाम, आयुष साहू, रितिका भकने सहित अन्य कैडेट उपस्थित थे। सभी कैडेटों ने पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल का भी संकल्प लिया।

इस अवसर पर बताया गया कि पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे हरित आवरण बढ़ेगा, जैव विविधता का संरक्षण होगा तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में सहायता मिलेगी। कैडेटों ने स्थानीय नागरिकों को भी अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के माध्यम से एनसीसी कैडेटों ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए समाज को सकारात्मक संदेश दिया।

हर-हर महादेव के जयघोष के बीच देवास से रवाना हुआ आस्था का कारवां

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास रेलवे स्टेशन रविवार को आस्था, श्रद्धा और उत्साह का अद्भुत संगम बन गया। हर-हर महादेव और जय बद्री विशाल के जयघोषों के बीच मां चामुंडा-मां तुलजा भक्त मंडल के 100 से अधिक श्रद्धालु धार्मिक यात्रा पर रवाना हुए। स्टेशन परिसर में श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा और माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया गया। भक्तिमय विदाई ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

मां चामुंडा-मां तुलजा भक्त मंडल के तत्वावधान में आयोजित यह धार्मिक यात्रा अंबेडकर नगर-दिल्ली एक्सप्रेस ट्रेन के माध्यम से प्रारंभ हुई। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर रेलवे स्टेशन परिसर श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति से सराबोर दिखाई दिया। परिवारजन और समाजजन श्रद्धालुओं को मंगलकामनाओं के साथ विदा करने पहुंचे। यात्रा के दौरान श्रद्धालु हरिद्वार, ऋषिकेश, बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम के दर्शन करेंगे। विशेष रूप से बद्रीनाथ धाम में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण भी इस यात्रा का प्रमुख आकर्षण रहेगा। भक्त मंडल द्वारा पूरे यात्रा कार्यक्रम को आध्यात्मिक अनुभूति से भरपूर बनाने की विशेष व्यवस्था की गई है। भक्त मंडल ने यात्रियों के लिए भोजन, नाश्ता, आवास, स्थानीय परिवहन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की है, जिससे श्रद्धालु पूरी यात्रा के दौरान निश्चिंत होकर पूजा-अर्चना एवं दर्शन का लाभ ले सकेंगे। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े श्रद्धालु इस सामूहिक धार्मिक यात्रा का हिस्सा बने हैं। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर महापौर गीता अग्रवाल एवं दुर्गेश अग्रवाल सहित अन्य श्रद्धालुओं का स्वागत एमआईसी सदस्य धर्मेंद्रसिंह बैस, शीतल गेहलोत, गणेश पटेल, मुस्तफा अंसार एहमद, पार्षद बाबू यादव, रुपेश वर्मा, माण्डल अध्यक्ष, देवेंद्र नवगोत्री, सुरेश सालोदिया, मंडल महामंत्री नवीन सोलंकी, बार एसोसिएशन अध्यक्ष राम प्रसाद सूर्यवंशी, भाजपा नेता सचिन जोशी, राकेश सोलंकी, शुभम यादव, विपुल अग्रवाल, बलराम प्रजापति, शुभम पंडित, जुगनू गोस्वामी, प्रिया शर्मा, जितेंद्र जायसवाल, कैलाश दसोरे, मनोज डोडिया, विजेंद्र राणा सहित अनेक समाजसेवियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पुष्पहार पहनाकर किया। सभी ने श्रद्धालुओं की सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए उन्हें शुभकामनाओं के साथ विदा किया।

पीएमएफएमई योजना से बदली मयूर ठाकुर की पहचान दुग्ध संग्रहकर्ता से बने सफल दुग्ध प्रसंस्करण उद्यमी, छह लोगों को दे रहे रोजगार

सिवनी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कहते हैं कि यदि मेहनत, सही मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का सहयोग मिल जाए तो छोटे से व्यवसाय को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। इसका जीवंत उदाहरण केवलारी विकासखंड के ग्राम देहवानी निवासी श्री मयूर ठाकुर हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ लेकर अपने पारंपरिक दुग्ध संग्रहण व्यवसाय को आधुनिक दुग्ध प्रसंस्करण उद्यम में बदल दिया। आज उनका उद्यम न केवल उन्हें बेहतर आय दे रहा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का भी माध्यम बन गया है।

जिला कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन तथा सहायक संचालक उद्यानिकी डॉ. आशा उपवंशी-वासेवार के निर्देशन में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के माध्यम से जिले के युवाओं, किसानों एवं उद्यमियों को खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने और आय में वृद्धि करने के लिए निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है।

श्री मयूर ठाकुर पहले गांवों से दूध एकत्रित कर खुले बाजार में विक्रय किया करते थे। इस कार्य से उन्हें सीमित आय ही प्राप्त होती थी। वे अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाना चाहते थे, लेकिन पर्याप्त पूंजी और तकनीकी संसाधनों के अभाव में यह संभव नहीं हो पा रहा था। इसी दौरान उन्हें उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (क्क्नस्रु) की जानकारी मिली। उन्होंने विभाग से संपर्क कर अपनी योजना साझा की कि वे केवल दूध बेचने तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार कर अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं।

विभागीय अधिकारियों ने उन्हें योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, वित्तीय सहायता तथा अन्य प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। जिला रिसोर्स पर्सन के माध्यम से आवेदन तैयार कराया गया तथा बैंक ऋ्रण स्वीकृति की प्रक्रिया में भी पूरा सहयोग प्रदान किया गया। परिणामस्वरूप आवेदन प्रस्तुत करने के मात्र 16 दिवस के भीतर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केवलारी शाखा द्वारा उनके उद्यम की स्थापना हेतु 9 लाख 78 हजार 800 रुपये का ऋ्रण स्वीकृत कर दिया गया। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत कुल परियोजना लागत का 35 प्रतिशत अर्थात 3 लाख 42 हजार 650 रुपये का अनुदान भी उन्हें प्रदान किया गया।

तामिया के ग्राम बीजाढाना में परंपरागत बीज संरक्षण एवं आदान-प्रदान मेला आयोजित, 150 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

छिन्दवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के विकासखंड तामिया के ग्राम बीजाढाना में आज आदिवासी महिलाओं द्वारा परंपरागत बीज संरक्षण एवं आदान-प्रदान मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देशी एवं पारंपरिक बीजों के महत्व को समझाना तथा उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र तामिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. डी.सी. श्रीवास्तव के तकनीकी मार्गदर्शन में तथा परार्थ समिति छिंदवाड़ा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 20 गांवों की आदिवासी महिला कृषकों ने भाग लेकर परंपरागत बीजों के संरक्षण एवं आदान-प्रदान में सक्रिय सहभागिता की। इस दौरान डॉ. सुरेश कुमार अहिरवार, डॉ. सुंदरलाल अलावा एवं श्री राकेश कुमार मेश्राम ने किसानों को परंपरागत बीजों की उपयोगिता, संरक्षण की विधियां तथा कृषि जैव विविधता के महत्व की जानकारी दी।

कार्यक्रम में परार्थ समिति से श्री रामदास नागले एवं श्री दारा सिंह तथा ग्राम की सरपंच महोदया सहित अनेक कृषक उपस्थित थे। इस अवसर पर किसानों ने अपने पास संरक्षित पुराने एवं देशी बीजों का एक-दूसरे के साथ आदान-प्रदान किया। मेले के दौरान आदिवासी जनजातीय लोकगीतों की प्रस्तुति ने सांस्कृतिक वातावरण को जीवंत बनाया। साथ ही किसानों एवं युवाओं को बीज बॉल निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में इसकी उपयोगिता से अवगत कराया गया। विशेषज्ञों ने किसानों को बीजों के सुरक्षित भंडारण, उनकी शुद्धता बनाए रखने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए परंपरागत बीजों के संरक्षण के प्रभावी तरीकों की जानकारी दी। कार्यक्रम में कुल 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंत में सभी किसानों ने परंपरागत बीजों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

बदनावर का गौरव, स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरि जी महाराज बने महामंडलेश्वर, मालवा अंचल में हर्ष

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी हरिद्वार के पावन तट पर रविवार को ऐतिहासिक और आध्यात्मिक अध्याय लिखा गया, जिसने मध्य प्रदेश के धार जिले के बदनावर क्षेत्र को वैश्विक पटल पर गौरवान्वित कर दिया है। बदनावर की पावन माटी में जन्मे परम पूज्य संत स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरि जी महाराज को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के तत्वावधान में आयोजित एक अत्यंत भव्य, अलौकिक और गरिमामयी समारोह में विधिवत महामंडलेश्वर के सर्वोच्च पद पर आसीन किया गया। सनातन धर्म की इस सर्वोच्च उपाधि से स्वामी जी को विभूषित किए जाने के बाद से ही पूरे मालवा अंचल सहित देश-विदेश में उनके अनुयायियों के बीच हर्ष और उल्लास का माहौल है।

वैदिक मंत्रोच्चार और शंखध्वनि के बीच संपन्न हुआ पट्टाभिषेक- समारोह की शुरुआत सुबह से ही पारंपरिक और धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ हुई। अखाड़े के परंपरा अनुसार, पवित्र गंगा जल से स्नान और विशेष पूजन के बाद स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरि जी महाराज का तिलक व चादर विधि से पट्टाभिषेक किया गया।

इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए देश के शीर्ष संतों, पीठाधीश्वरों और महामंडलेश्वरों का समागम हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप सेनिरंजन पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज, आनंद पीठाधीश्वर स्वामी बालकानंद गिरि महाराज, अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी महाराज, वात्सल्य मूर्ति दीदी माँ साध्वी ऋतंभरा के अलावा देश के कोने-कोने से आए सैकड़ों पूज्य संत-महात्माओं ने स्वामी जी पर पुष्पवर्षा कर उन्हें अपना शुभ आशीर्वाद प्रदान किया।

धार्मिक गुरुओं के साथ-साथ इस भव्य समारोह में राजनीतिक और सामाजिक जगत से राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति एवं केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर विशेष रूप से उपस्थित रहीं। दोनों ही नेत्रीगणों ने स्वामी जी के चरणों में शीश नवाया और कहा कि स्वामी जी का महामंडलेश्वर पद पर आसीन होना नारी शक्ति, पिछड़े समाज और संपूर्ण राष्ट्र के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इस समारोह का सबसे भावुक और अद्भुत पहलू यह रहा कि अपने प्रिय संत को इस सर्वोच्च पद पर आसीन देखने के लिए बदनावर क्षेत्र से सैकड़ों की तादाद में आम जनता और श्रद्धालु ट्रेन, बसों और निजी वाहनों से हरिद्वार पहुंचे थे। जैसे ही अखाड़ा परिषद द्वारा स्वामी जी के नाम की आधिकारिक घोषणा हुई, पूरा पंडाल हर-हर महादेव और स्वामी सत्यश्रेयानंद जी महाराज की जय के गगनभेदी जयकारों से गूंज उठा। बदनावर के श्रद्धालुओं की आंखों में अपने क्षेत्र के संत के प्रति अगाध श्रद्धा और गर्व के आंसू साफ देखे जा सकते थे।

स्वामी जी का यह नया दायित्व केवल एक पद नहीं, बल्कि मालवा की पावन भूमि के संस्कारों की जीत है। अब उनका ज्ञान और आशीर्वाद पूरे विश्व का मार्गदर्शन करेगा।

-हरिद्वार पहुंचे बदनावर के वरिष्ठ श्रद्धालु

जैसे ही यह सुखद समाचार बदनावर और मालवा अंचल में पहुंचा, समूचे क्षेत्र में जश्न का माहौल बन गया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह उपलब्धि न केवल बदनावर बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक आध्यात्मिक सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा है।

सभी भक्तों ने पूज्य स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरि जी महाराज के महामंडलेश्वर पद पर विराजमान होने पर उन्हें कोटि-कोटि वंदन व हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं, तथा प्रार्थना की है कि स्वामी जी का दिव्य आशीर्वाद और मार्गदर्शन समाज पर सदैव बना रहे।

विश्व पेपर बैग दिवस पर शासकीय एसजीएस पीजी कॉलेज सीधी में सेमिनार आयोजित

सीधी / दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण संरक्षण तथा प्लास्टिक मुक्त भारत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शासकीय एसजीएस पीजी कॉलेज, सीधी के एनसीसी विभाग द्वारा विश्व पेपर बैग दिवस के अवसर पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

सेमिनार में एनसीसी कैडेट्स शिवम् द्विवेदी, रामसागर द्विवेदी एवं आदर्श तिवारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए प्लास्टिक के दुष्प्रभावों तथा पेपर बैग के उपयोग से होने वाले पर्यावरणीय लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दैनिक जीवन में प्लास्टिक के स्थान पर कागज के थैलों के उपयोग को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट उमाकांत साहू ने कहा कि प्लास्टिक जल, जमीन और मानव जीवन तीनों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स समाज के अनुशासित और जागरूक नागरिक हैं तथा उनकी जिम्मेदारी है कि वे पर्यावरण संरक्षण का संदेश घर-घर तक पहुंचाएं। उन्होंने कैडेट्स को प्लास्टिक बैग का उपयोग नहीं करने का संकल्प दिलाया तथा बताया कि एक पेपर बैग लगभग 90 दिनों में प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाता है, जबकि प्लास्टिक बैग को नष्ट होने में सैकड़ों वर्ष लग जाते हैं। इस दौरान उन्होंने कैडेट्स को पेपर बैग बनाने की विधि का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया।

कार्यक्रम के दौरान एनसीसी कैडेट्स ने महाविद्यालय परिसर में ÷पेपर बैग अपनाओ, पर्यावरण बचाओ÷ के नारे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ. रवीन्द्र नाथ सिंह ने विश्व पेपर बैग दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

सांदीपनि विद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

छतरपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शनिवार को शासकीय सांदीपनि विद्यालय, छतरपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष रविंदर सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

शिविर में कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश राजेश कुमार देवलिया ने विद्यार्थियों को विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए परिवार नियोजन, लिंग समानता, मातृ स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन तथा मानवाधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक किया। उन्होंने संतुलित जनसंख्या और स्वस्थ समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश विष्णु प्रसाद सोलंकी ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, महिलाओं, बच्चों तथा जेल में निरुद्ध बंदियों के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित निःशुल्क विधिक सहायता एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

न्यायाधीश संघशिखा बंशकार ने बाल विवाह निषेध एवं पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। वहीं सुश्री हर्षा परमार ने भारतीय संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्यों की जानकारी देते हुए जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

जिला विधिक सहायता अधिकारी डॉ. वीरेन्द्र कुमार चढ़ार ने महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी तथा महिला अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया।

थाना झारडा पुलिस द्वारा गौवंश तस्कर को किया गिरफ्तार

7 केडो को सुरक्षित कर आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो पिकअप वाहन कीमती 11 लाख जप्त किया गया

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रदीप शर्मा जिला उज्जैन द्वारा जिले मे आगामी त्यौहारो को देखते हुए सघन वाहन चैकिंग व आरोपीयो की धरपकड को प्राथमिकता दी जा रही है अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशानुसार , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) श्री करण दीप सिंह (भा.पु.से.), एस.डी.ओ.पी. अनुभाग महिद्पुर श्री ज़ेडेन लिंगज़ेरपा (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन में थाना झारडा के थाना प्रभारी उनि सुरेन्द्र सिंह गरवाल व टीम के द्वारा गौवंश व पशु क्रूरता अधिनियम के आरोपी को गिरफ्तार कर 11 लाख की दो पिकअप वाहन को जप्त किया ।

मुखबिर की सूचना पर से हमराह फोर्स के रवाना होकर काचरिया फंटा ग्राम झारडा पर नाकाबंदी की गई नाकाबंदी के दौरान आने जाने वाले वाहनो की चैंकिंग करते रणायरापीर तरफ से एक पिकअप गाडी पायलटिंग करते हुए दिखी जो कि पुलिस के रोकने पर आरोपी गाडी छोड कर भाग गया उसी दरमियान एक पिकअप गाडी पुनः फंटे तरफ आते दिखी जिसे पुलिस द्वारा नाकाबंदी कर रोका गया जिसको चैक करने पर 07 गौवंश(केडे) वेतरतीप वाहन में ठूसे हुए मिले जिस पर से आरोपी पिकअप चालक संजय उर्फ संजु पिता चन्दर जाति बंजारा उम्र 26 साल निवासी नवादा थाना उन्हेल जिला उज्जैन व विधि विरुद्ध बालक को गिरफ्तार कर आरोपीयो के विरुद्ध अपराध धारा पशु करुरता निवारण अधि. 11 घ, म. प्र. गौ वंश प्रतिषेध अधि. की धारा 4,6,9 का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया । आरोपी संजय बंजारा को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर एक दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया गया

सराहनीय भूमिका- उनि सुरेन्द्र सिंह गरवाल थाना प्रभारी झारडा जिला उज्जैन, सउनि व्ही पी सिंह परिहार , आर.261 नारायणसिंह कुशवाह, आर.1219 शुभकरणसिंह भदौरिया, आर.1864 मोहरसिंह ,1467 अनार सिंह ,आर.705 कन्हैया अहिरवार, आर.1678 जितेन्द्र यादव , आर.345 जयपाल विश्वकर्मा , सैनिक महेन्द्र सिंह की अहम भूमिका रही ।

मानवीय संवेदनाओं के साथ हर संभव सहायता उपलब्ध करा रहा है छतरपुर प्रशासन

छतरपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। छतरपुर जिले के ग्राम कुपी के समीप आंदोलनरत रूंज एवं मझगांव सिंचाई परियोजना से प्रभावित परिवारों के हित में मध्यप्रदेश शासन द्वारा पुनर्वास एवं विस्थापन के लिए 202 करोड़ 50 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि स्वीकृत किए जाने के बाद छतरपुर जिला प्रशासन ने प्रभावितों से अपील की है कि वे अपने गृह जिला पन्ना लौटकर वहां के प्रशासन से संपर्क स्थापित करें, ताकि स्वीकृत पुनर्वास लाभों का समयबद्ध तरीके से लाभ प्राप्त हो सके। प्रशासन ने कहा है कि यह शासन की संवेदनशीलता और प्रभावितों के प्रति सकारात्मक सोच का परिचायक है कि किसी परियोजना में पुनर्वास पैकेज के लिए बाद में इतनी बड़ी अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही प्रति परिवार दी जाने वाली पुनर्वास सहायता राशि 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 12.50 लाख रुपये किए जाने का निर्णय भी प्रभावित परिवारों के हित में एक महत्वपूर्ण कदम है।

छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर आंदोलनरत प्रभावितों के बारिश एवं स्वास्थ्य समस्याओं के दृष्टिगत व्यवस्था करने के के भी निर्देश दिए गए हैं।

वर्षाकाल में जल और मच्छर जनित रोगों से बचने की सलाह

रीवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्षा ऋतु के आगमन के साथ ही आम जनता को मौसमी बीमारियों से सतर्क रहने और बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी गई है। वर्षाकाल में बढ़ती नमी, अनुकूल तापमान और जगह-जगह होने वाले जल-भराव के कारण मच्छरों तथा बैक्टीरिया का प्रकोप तेजी से बढ़ता है, जिससे कई तरह की गंभीर बीमारियां फैलने की आशंका रहती है। जल-भराव के कारण मलेरिया के साथ-साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले एडीज मच्छरों की तादाद बढ़ जाती है। डेंगू का मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में पनपता है। खेतों, तालाबों, गड्डों, टूटे-फूटे डिब्बों, पुराने टायरों, पशुओं के पीने के नाद, कूलर, गमलों और फ्रिज की ट्रे में जमा होने वाला पानी मच्छरों के लार्वा के लिए सबसे मुफीद जगह बन जाता है। इस मौसम में थोड़ी सी सावधानी रखकर इन बीमारियों से पूरी तरह बचा जा सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यत्नेश त्रिपाठी ने बताया कि वर्षाकाल में दूषित जल और भोजन के सेवन से टाइफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिस और हैजा जैसी बीमारियां हो सकती हैं। बच्चों में दूषित खान-पान के कारण उल्टी-दस्त का प्रकोप अधिक गंभीर रूप ले सकता है। इसके अलावा, मानसून के दौरान आंखों का संक्रमण जैसे आई-फ्लू या कंजक्टिवाइटिस भी तेजी से फैलता है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों के आसपास सफाई रखें और पानी को लंबे समय तक जमा न रहने दें। कूलर, फूलदान आदि का पानी सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर बदलें। जहां पानी खाली करना संभव न हो, वहां खाद्य तेल, मिट्टी का तेल (केरोसिन) या जला हुआ ऑयल डाल दें, जिससे पानी के ऊपर एक पतली परत बन जाती है और मच्छरों के लार्वा नष्ट हो जाते हैं। इसके साथ ही पीने और भोजन पकाने के लिए हमेशा शुद्ध व उबले हुए पानी का ही उपयोग करें। खाने-पीने की चीजों को ढककर रखें, सड़े-गले फलों के सेवन से बचें और हरी सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही इस्तेमाल करें। कुछ भी खाने से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ धोना अनिवार्य बनाएं तथा खुले में शौच न करके अनिवार्य रूप से शौचालय का प्रयोग करें। मच्छरों से सुरक्षित रहने के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनें, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें और जरूरत पड़ने पर कीटनाशक का छिड़काव करवाएं। आई-फ्लू से बचने के लिए बार-बार आंखों को हाथ न लगाएं, चेहरे को ठंडे पानी से धोएं, धूप के चश्मे का प्रयोग करें और परिवार में सभी के तौलिए व रुमाल अलग रखें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि ठंड लगकर तेज बुखार आना, मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, सिरदर्द और शरीर पर लाल चकत्ते पड़ना डेंगू और मलेरिया के मुख्य लक्षण हैं। ऐसे कोई भी लक्षण दिखाई देने पर या दस्त की स्थिति होने पर बिना देरी किए तत्काल डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। चिकित्सक की सलाह के अनुसार खून की जांच कराएं और पूरा उपचार लें। दस्त होने पर ओ.आर.एस. का घोल और जिंक सल्फेट की गोली का सेवन करें। समय पर लिया गया सही उपचार ही इन बीमारियों से पूरी तरह बचाव का एकमात्र जरिया है।

खाचरोद राजस्व विभाग भी उल्टे पांव लोटे रास्ता खुलवाने आये धमकी से गिरधार पटवारी नहीं खुलवा सके पानी का निकास

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद तहसील के गांव नंदवासला में नारायणदास बैरागी के खेत का पानी परम्परागत रूढ़िगत तरीके से निकलता आ रहा था उस रास्ते को मालवीय समाज के लोगों द्वारा बांधित किया गया जिससे खेत में पानी भर जाने से फसल को नुकसान हुआ है जब इसकी जानकारी खाचरोद तहसील में दी गई तब राजस्व विभाग के अधिकारी द्वारा रास्ता खोलने के लिए कहा गया तो उनके आदेश का उल्लंघन करते हुए मौके से गिरदावर ओर पटवारी को गाली गलौज कर ओर हरिजन एक्ट में फसाने की धमकी देकर भगा दिया गया फसल करीब 72 घंटे से ज्यादा पानी में डूबी रही ओर आने वाली बारिश के कारण फसल पूरी तरह से ख़राब होने की आशंका जताई गई आवेदक द्वारा इस फसल के नष्ट होने से आर्थिक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं से छात्रावास प्रवेश के लिए 15 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

सीधी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सहायक संचालक, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जिला स्तर पर संचालित 100 सीटर पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास, नौढ़िया (सीधी) तथा 50 सीटर पिछड़ा वर्ग पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास, सीधी में प्रवेश के लिए पात्र छात्र-छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि शासकीय अथवा अशासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत इच्छुक एवं पात्र विद्यार्थी निर्धारित आवेदन-पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित 15 अगस्त 2026 तक संबंधित छात्रावास अधीक्षक/अधीक्षिका के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। अंतिम तिथि के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन-पत्र संबंधित छात्रावास से निःशुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं।

छात्रावास में प्रवेश के लिए स्थानीय महाविद्यालय में प्रवेश लेना अनिवार्य होगा। आवेदन के साथ ऑनलाइन प्रवेश की प्रति संलग्न करना तथा आवेदन-पत्र का संबंधित महाविद्यालय के प्राचार्य से प्रमाणित होना आवश्यक है। प्रवेश एक शैक्षणिक सत्र के लिए मान्य रहेगा। प्रथम प्रवेश के समय विद्यार्थियों को एक हजार रुपये की काशन मनी (अवधान राशि) जमा करनी होगी, जिसे छात्रावास छोड़ते समय नियमानुसार वापस किया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया छात्रावास प्रवेश नियमावली-2012 के प्रावधानों के अनुसार संपन्न की जाएगी। आवेदन-पत्र के साथ आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, समग्र आईडी, महाविद्यालय का एलॉटमेंट लेटर, कक्षा 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त छात्र-छात्राओं का घोषणा-पत्र तथा माता-पिता अथवा अभिभावक की लिखित सहमति भी आवेदन के साथ प्रस्तुत करनी होगी।

सहायक संचालक ने बताया कि छात्रावास में निवास करने वाले विद्यार्थियों को विभाग द्वारा निर्धारित नियमों एवं आचार संहिता का पालन करना अनिवार्य होगा। गलत जानकारी देने अथवा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित छात्र-छात्रा का प्रवेश निरस्त किया जा सकता है। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक विद्यार्थी संबंधित पोस्ट मैट्रिक बालक एवं कन्या छात्रावास, सीधी के अधीक्षक/अधीक्षिका से संपर्क कर सकते हैं।

विशिष्ठ बालक क्रीड़ा परिसर में अतिथि पीटीआई के लिये आवेदन आमंत्रित

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित तिलहरी स्थित विशिष्ठ क्रीड़ा परिसर में पी टीआई के 06 रिक्त पद के विरूध्द अतिथि पी टी आई के लिये योग्य अभ्यर्थीयों से 16 जुलाई की शाम 5 बजे तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इच्छुक आवेदक निर्धारित प्रपत्र में आवेदन भरकर कार्यालय कोच/अधीक्षक जनजातीय कार्य विभाग, विशिष्ट बालक कीडा परिसर तिलहरी जबलपुर में जमा कर सकते है। सहायक आयुक्त ने बताया कि अतिथि पीटीआई के पद के लिये आवेदक को बी पी एड डिग्रीधारी होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अतिथि पीटीआई की नियुक्ति की व्यवस्था पूर्णतः अस्थायी होगी। पी टी आई के रिक्त पद की पूर्ति होने पर अतिथि पी टी आई की सेवायें स्वतः समाप्त मानी जायेंगी। अतिथि पी टी आई के लिये फुटबाल, हॉकी एवं एथलेटिक्स विधा में पारंगत आवेदक ही आवेदन कर सकेंगे। नियुक्ति में पुरुष वर्ग को प्राथमिकता दी जायेगी।

डीडीयू-जीकेवाई योजना से मिली नई उड़ान, आत्मनिर्भर बनीं पूजा सिंह

सीधी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम पंचायत तेंगवा की निवासी सुश्री पूजा सिंह की सफलता की कहानी यह साबित करती है कि सही मार्गदर्शन, कौशल प्रशिक्षण और दृढ़ संकल्प से जीवन की दिशा बदली जा सकती है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त कर आज पूजा सिंह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और अपने परिवार के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

पूजा सिंह का परिवार लंबे समय तक आर्थिक तंगी से जूझता रहा। सीमित आय और रोजगार के स्थायी साधनों के अभाव में परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो रहा था। इसी बीच उनकी माता अपने क्षेत्र में संचालित दुर्गा स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह की बैठकों के माध्यम से पूजा सिंह को आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) की जानकारी प्राप्त हुई।

पूजा ने अवसर का लाभ उठाते हुए योजना के अंतर्गत प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन एजेंसी एसीएमई के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें तकनीकी दक्षता के साथ-साथ कार्यस्थल पर आवश्यक व्यवहारिक एवं व्यावसायिक कौशल भी सिखाए गए, जिससे उनके लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हुए।

प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद पूजा सिंह का चयन तमिलनाडु स्थित एक मोबाइल निर्माण कंपनी में हुआ। वर्तमान में वे वहां कार्यरत हैं और प्रतिमाह लगभग 16 हजार रुपये का वेतन प्राप्त कर रही हैं। वहीं ओवरटाइम सहित उनकी मासिक आय लगभग 24 हजार रुपये तक पहुंच जाती है। अपनी आय से वे न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बना रही हैं, बल्कि अपने भविष्य को भी आत्मविश्वास के साथ संवार रही हैं।

पूजा सिंह का कहना है कि यदि उन्हें डीडीयू-जीकेवाई योजना के माध्यम से प्रशिक्षण का अवसर नहीं मिला होता, तो शायद वे आज इस मुकाम तक नहीं पहुंच पातीं। उन्होंने युवाओं, विशेषकर ग्रामीण युवतियों से अपील की है कि वे शासन की कौशल विकास योजनाओं का लाभ लेकर अपने सपनों को साकार करें।

पूजा सिंह की सफलता इस बात का उदाहरण है कि मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से संचालित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना ग्रामीण युवाओं को रोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह कहानी ग्रामीण महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण है।

आजीविका मिशन से बदली शैल पटेल की तकदीरः आत्मनिर्भरता की नई मिसाल बनी बरगी की बेटी

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जबलपुर जिले के बरगी नगर की निवासी शैल पटेल आज ग्रामीण विकास और महिला सशक्तिकरण की एक सशक्त मिसाल बन गई हैं। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर शैल पटेल ने न केवल स्वयं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि विपरीत परिस्थितियों में अपने परिवार के लिए एक मजबूत सहारा भी खड़ा किया है।

बरगी रिजॉर्ट के समीप संचालित शैल पटेल की चाय-नाश्ते की दुकान आज उनकी आजीविका का मुख्य आधार है। समूह की अध्यक्ष के रूप में सक्रिय शैल पटेल अपनी दुकान पर चाय, नाश्ता, चिप्स, मैगी और पैटीज जैसी सामग्री का विक्रय करती हैं। बरगी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की निकटता और सैलानियों की निरंतर आवाजाही के कारण उनका यह छोटा सा व्यवसाय अब एक सफल उद्यम का रूप ले चुका है। शैल पटेल बताती हैं कि उनके परिवार में कुल 5 सदस्य हैं और हाल ही में उनके पति के निधन के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। ऐसे कठिन समय में आजीविका मिशन की योजनाओं ने उन्हें जो संबल प्रदान किया, उसी के दम पर आज वे सम्मानजनक जीवन जी रही हैं।

शैल पटेल के व्यवसाय को गति देने में आजीविका मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्हें योजना के अंतर्गत 20 हजार रुपये की सहायता राशि ऋण के रूप में प्राप्त हुई, जिससे उन्होंने अपने व्यवसाय की आधारशिला रखी। समूह के माध्यम से मिली इस सहायता से उन्होंने दुकान के लिए आवश्यक सामग्री, बर्तन और उपकरण खरीदे। आज यह दुकान उनके परिवार के भरण-पोषण का एकमात्र और भरोसेमंद जरिया है।

शैल पटेल का जीवन संघर्ष और सफलता यह संदेश देता है कि यदि इरादे मजबूत हों और सरकारी योजनाओं का सही दिशा में लाभ लिया जाए, तो कोई भी महिला अपनी परिस्थितियों को बदल सकती है। आजीविका मिशन आज हजारों महिलाओं को सशक्त बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर भारत की मुख्य धारा में शामिल कर रहा है।

लापरवाही बरतने वाले समूह तत्काल हटाए जाएं, बच्चों को मिले गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजनः कलेक्टर

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने आज प्रधानमंत्री पोषण योजना योजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य और भोजन की गुणवत्ता को सर्वोपरि बताते हुए सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

कलेक्टर श्री वर्मा ने स्पष्ट किया कि बच्चों के भोजन में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने मध्याह्न भोजन वितरण में लापरवाही करने वाले समूहों पर कार्यवाही के भी निर्देश दिए हैं।स्वच्छता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देशबैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि स्कूलों और आंगनबाड़ियों में बच्चों को दिए जाने वाले भोजन में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने और केवल उच्च गुणवत्ता के मसालों व खाद्य सामग्री का उपयोग करने की हिदायत दी।बरसात के मौसम में खुले में खाना न बनाया जाएकलेक्टर श्री वर्मा ने सचेत करते हुए कहा कि चूंकि अभी बरसात का मौसम है, इसलिए स्वच्छता को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए।

जिन विद्यालयों में किचन शेड उपलब्ध हैं, वहां अनिवार्य रूप से किचन के अंदर ही खाना बनाया जाए और खुले में खाना न बनाया जाए। उन्होंने कहा कि बारिश में नमी के कारण राशन सामग्री और मसाले खराब होने की संभावना रहती है, इसलिए केवल अच्छी गुणवत्ता के पैक बंद मसालों का ही उपयोग किया जाए।वितरण में लापरवाही करने वाले समूह को हटाने के निर्देशमध्याह्न भोजन वितरण में जो भी समूह लापरवाही बरत रहे हैं, उन्हें तत्काल प्रभाव से काम से हटा दिया जाए। अधिकारी स्वयं निरीक्षण करें। यह भी ध्यान रहे कि बच्चों को निर्धारित मात्रा और गुणवत्तायुक्त भोजन दिया जाए।रसोइयों की होगी ई-केवाईसी, समय पर होगा खाद्यान्न का उठावसमीक्षा के दौरान कलेक्टर ने राज्य शिक्षा केंद्र के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देश दिए कि योजना के तहत काम कर रहे सभी रसोइयों की अनिवार्य रूप से ई-केवाईसी कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे समय-सीमा के भीतर खाद्यान्न का उठाव और परिवहन समय पर हो सके।अधिकारियों को फील्ड में उतरने के निर्देश, 1.93 लाख बच्चे दायरे मेंजिले में पीएम पोषण योजना के तहत कुल 2,500 स्कूलों के 1,93,524 विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन का लाभ दिया जा रहा है।

अमरगढ़ वॉटरफॉल जा रहे 20 लोगों को लौटाया वापस

कलेक्टर ने वर्षाकाल में जोखिमपूर्ण स्थलों पर न जाने की नागरिकों से की अपील

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देशानुसार वर्षाकाल में नागरिकों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए जिले के सभी वॉटरफॉल, डैम, जल पर्यटन स्थलों एवं अन्य जोखिमपूर्ण स्थानों पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश प्रभावी हैं। इन स्थानों पर वर्षा के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए राजस्व, वन, पुलिस तथा अन्य विभागों के मैदानी अमले की ड्यूटी लगाई गई है, ताकि पर्यटकों को प्रतिबंधित क्षेत्रों में जाने से रोका जा सके तथा उन्हें सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सके।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अमरगढ़, दिगंबर और कालियादेव वॉटरफॉल सहित इन सभी दुर्घटना संभावित स्थलों पर नागरिकों को जाने से रोकने के लिए इनके पहुंच मार्गों पर टीमें तैनात की गई हैं। टीम द्वारा अमरगढ़ वॉटरफॉल जा रहे 20 लोगों को प्रतिबंधात्मक आदेश की जानकारी देकर वापस लौटाया गया।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने पर्यटकों से अपील की है कि वे अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश न करें। नागरिकों का जीवन एवं सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वर्षाकाल में जिले के इन पर्यटन स्थलों पर सीहोर के साथ-साथ भोपाल से भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। कलेक्टर ने सभी नागरिकों से प्रतिबंधात्मक आदेशों का पालन करने तथा सुरक्षित व्यवहार अपनाने की अपील की है।

टीम भावना से करें काम, तभी मिलेगा शत-प्रतिशत लक्ष्य- दस्तक अभियान पर कलेक्टर श्री वर्मा के सख्त निर्देश

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा ने आज दस्तक अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्री वर्मा ने आगामी 14 जुलाई से 31 अगस्त तक संचालित होने वाले 'दस्तक अभियान' की तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए पूरी टीम को सक्रिय होकर आपसी समन्वय से काम करने के निर्देश दिए, ताकि जिले के शत-प्रतिशत बच्चों को इस अभियान के तहत कवर किया जा सके।घर-घर जाकर जिंक और ओआरएस बांटेगी टीम, 2 दिन में डाटा डिजिटल करने की डेडलाइनदस्तक अभियान की रूपरेखा तय करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर संपर्क करेंगी। इस दौरान बच्चों को जिंक की गोलियां और ओआरएस घोल के पैकेट वितरित किए जाएंगे।

इसके साथ ही 5 साल तक के सभी छोटे बच्चों को घर-घर जाकर आयरन सिरप की एक-एक बोतल देने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर ने अभियान से जुड़े समस्त नियमों और डेटा को अगले दो दिनों के भीतर शत-प्रतिशत डिजिटलाइजेशन करने की समय-सीमा तय की है।एनीमिया पर प्रहार~ हर मंगलवार स्कूलों में दी जाएगी आयरन की गुलाबी और नीली गोलीएनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ियों के लिए विशेष निर्देश जारी किए। अब से प्रत्येक मंगलवार को स्कूल टीचर्स द्वारा कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के सभी बच्चों को आयरन की गुलाबी गोली और कक्षा 6 से कक्षा 9 तक के बच्चों को आयरन की नीली गोली अनिवार्य रूप से खिलाई जाएगी।

इस व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को हर मंगलवार को स्कूलों व आंगनबाड़ियों का औचक भ्रमण करने और हर महीने स्कूल से इसकी रिपोर्ट प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारियों को भी इस संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि दस्तक अभियान में सफलता के लिए सभी विभागों को टीम भावना के साथ काम करना होगा और लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।आयुष्मान कार्ड, सीएम हेल्पलाइन और टीबी मुक्त भारत अभियान की भी हुई समीक्षाबैठक के अंत में जिला स्तर पर चल रही अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की भी विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से विदिशा जिले की 2.71 लाख लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित किए 40 करोड़ रुपये

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. मोहन यादव जी के द्वारा आज भिंड जिले से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत माह जुलाई 2026 की आर्थिक सहायता राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की पात्र लाड़ली बहनों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरण किया। इस अवसर पर विदिशा जिले की 2,71,446 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में लगभग 40 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा के निर्देशन में आज मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का जिलेभर के आंगनवाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायत मुख्यालयों एवं नगरीय निकायों में सजीव (लाइव) प्रसारण कराया गया। बड़ी संख्या में लाड़ली बहनों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए मुख्यमंत्री का उद्बोधन देखा व सुना गया है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने उपस्थित लाड़ली बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रदेश सरकार की एक ऐतिहासिक एवं जनहितकारी पहल है। इस योजना से महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त हो रही है तथा उनके परिवारों को भी संबल मिल रहा है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा ने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिले के सभी परियोजना अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पूर्व से आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई थीं। सभी केन्द्रों पर हितग्राही महिलाओं की उपस्थिति सुनिश्चित कर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सफल प्रसारण कराया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि अंतरण का लाइव प्रसारण देखा तथा प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। जिले के सभी विकासखंडों एवं नगरीय निकायों में कार्यक्रम उत्साह, उल्लास एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुआ।

खरीफ सीजन में गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने हेतु कृषि विभाग का सघन निरीक्षण अभियान

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन में खरीफ वर्ष 2026 के दौरान कृषकों को उच्च गुणवत्ता के खाद, बीज एवं कीटनाशक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जिले में सघन निरीक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है।इसी क्रम में शनिवार को उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य, सहायक संचालक कृषि श्रीमती डॉ. किरण रावत, जिला तकनीकी सहायक श्री रामलखन धाकड़ तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड पिछोर एवं खनियाधाना द्वारा विकासखंड पिछोर एवं खनियाधाना के खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रय प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान चतुर्वेदी खाद एवं कीटनाशक केंद्र पिछोर, विनय ट्रेडर्स पिछोर, पाठक ट्रेडर्स पिछोर, लक्ष्मी ट्रेडर्स पिछोर, अजय ट्रेडर्स पिछोर, जय बाबा बीज भंडार, खनियाधाना तथा अकबर शाह बीज भंडार, खनियाधाना की जांच की गई। जांच के दौरान 4 प्रतिष्ठानों में अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग द्वारा नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई भी की जाएगी।कृषि विभाग ने जिले के समस्त कृषकों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं एवं सहकारी समितियों से ही खाद, बीज एवं कीटनाशक क्रय करें। प्रत्येक खरीद पर पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें तथा उसे सुरक्षित रखें। बिना बिल अथवा सस्ते के लालच में किसी भी प्रकार का खाद, बीज या कीटनाशक क्रय न करें। यदि किसी कृषक को नकली अथवा संदिग्ध कृषि आदान की बिक्री की जानकारी प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें, ताकि समय पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सरकार हर कदम पर व्यापारियों व उद्यमियों के साथ खड़ी है - प्रभारी मंत्री श्री सिलावट

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश सरकार हर कदम पर व्यापारियों व उद्यमियों के साथ खड़ी है। सरकार समयबद्ध कार्यक्रम के तहत उद्यमियों की समस्याओं का समाधान करने के लिये कटिबद्ध है। यह बात जिले के प्रभारी मंत्री एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कही। श्री सिलावट रविवार को ग्वालियर में कैट (कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) की जिला इकाई द्वारा आयोजित ÷व्यापार उद्योग संवाद÷ में मौजूद शहर के उद्यमियों व व्यापारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बड़ी संख्या में मौजूद शहर के व्यवसाइयों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिये हर तीन माह में बैठक आयोजित की जायेगी। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हर तीन माह में यह बैठक आयोजित करने की पहल विशेष रूप से की है।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार लगातार ऐसा वातावरण तैयार कर रही है, जिससे उद्योगों के निवेश के लिये पर्याप्त अवसर मिलें। उन्होंने कहा किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था केवल सरकार के प्रयासों से नहीं बल्कि सरकार, प्रशासन, उद्योग और व्यापार जगत के सामूहिक सहयोग से आगे बढ़ती है। संवाद ही वह माध्यम है जिससे समस्याओं का समाधान निकलता है और विकास की नई संभावनायें जन्म लेती हैं।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये प्रभावी कदम उठाए गए हैं। इस क्रम में इन्वेस्टर समिट के साथ-साथ क्षेत्रीय स्तर तक औद्योगिक कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया है, जिसके फलस्वरूप प्रदेश में बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश आया है। सरकार द्वारा पिछले साल को औद्योगिक वर्ष के रूप में मनाया गया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। इसमें उद्यमियों व व्यापारियों की अहम भूमिका होगी। श्री सिलावट ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं बल्कि समावेशी एवं संतुलित विकास है, जिसमें व्यापारी, उद्यमी, युवा, किसान एवं प्रदेश के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

रविवार को स्थानीय होटल में आयोजित हुए व्यापारी संवाद में कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री भूपेन्द्र जैन, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री उदयवीर सिंह गुर्जर व जीडीए के उपाध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता, अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर, कैट की जिला इकाई के अध्यक्ष श्री मुकेश अग्रवाल, महामंत्री श्री रामकुमार गोयल, कोषाध्यक्ष श्री नितिन गोयल, कार्यक्रम संयोजक श्री आकाश जैन तथा सर्वश्री राजू कुकरेजा, अजय मंगल व श्याम शुक्ला सहित कैट के अन्य पदाधिकारी मंचासीन थे।

भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार व्यापारियों व उद्यमियों के हितों का पूरा ध्यान रख रही है। उन्होंने कहा सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अपर आयुक्त नगर निगम श्री प्रदीप तोमर ने कहा कि उद्यमी विकास की रीढ़ होते हैं। शहर के सुनियोजित विकास में हर नागरिक का सहयोग जरूरी है। ग्वालियर शहर को सुंदर व विकसित बनाने के लिये व्यापारी आगे आएं। नगर निगम द्वारा उनकी समस्याओं का तत्परता से समाधान किया जायेगा।

उद्यमियों से किया सीधा संवाद व उनकी समस्याओं के समाधान का दिलाया भरोसा- प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने एक ङ्क एक कर विभिन्न उद्यमियों की समस्यायें सुनीं। साथ ही समयबद्ध कार्यक्रम के तहत इन समस्याओं के निराकरण का भरोसा दिलाया। श्रीमती अंजलि बत्रा ने ग्वालियर के उत्पादों के लिये एक्जीवीशन सेंटर बनाने एवं महिला औद्योगिक क्षेत्र की मांग रखी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि ग्वालियर मेला परिसर में एक्जीवीशन सेंटर विकसित किया जा रहा है। महिला औद्योगिक क्षेत्र के विकास के संबंध में सरकार गंभीरता से प्रयास करेगी। लघु उद्योग भारती के मध्यभारत प्रांत के अध्यक्ष श्री सोबरन सिंह तोमर द्वारा शहर के शंकरपुर औद्योगिक क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान, विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में सड़कों की ओर ध्यान आकर्षित किया। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि इस दिशा में नगर निगम व जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है।

इसी तरह कुछ उद्यमियों द्वारा रियल एस्टेट से संबंधित एफएआर की विसंगति को दूर करने की मांग रखी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि इस दिशा में शीघ्र ही भोपाल में मुख्यमंत्री, विभागीय मंत्री एवं प्रमुख सचिव से चर्चा की जायेगी। ग्वालियर जिले का प्रतिनिधि मंडल भी उनके साथ मौजूद रहेगा। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रभात चौपड़ा द्वारा किया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर जिला चिकित्सालय में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

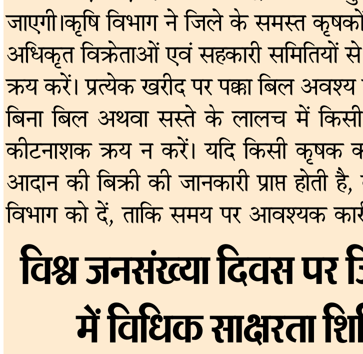

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय शिवपुरी के सभाकक्ष में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी ने की।शिविर में सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी ने विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़ती जनसंख्या के बीच संसाधनों का संतुलित उपयोग और परिवार नियोजन बेहद आवश्यक है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष 11 जुलाई को लोगों को जनसंख्या, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और सामाजिक संतुलन जैसे विषयों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय सिंह ऋषीश्वर ने परिवार नियोजन, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, संसाधनों के बेहतर उपयोग और सतत विकास के संबंध में जानकारी दी। जिला क्षय अधिकारी डॉ. प्रदीप शर्मा ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या संसाधनों, पर्यावरण और विकास पर सीधा प्रभाव डालती है। ऐसे में जनसंख्या संतुलन बनाए रखने के लिए सभी की सहभागिता जरूरी है।कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ.आर.पी. सिंह, डिफेंस काउंसिल शिवपुरी से डिप्टी चीफ श्री पवन कुमार चंदेल, श्री निखिल सक्सेना, जिला चिकित्सालय के अधिकारी-कर्मचारी, आशा कार्यकर्ता, एएनएम एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कटनी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. सुनील कुमार बाजपेई की अध्यक्षता में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्व जनसंख्या दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि तीव्र जनसंख्या वृद्धि के कारण संसाधनों पर बढ़ता दबाव, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास जैसी चुनौतियाँ वैश्विक स्तर पर चिंता का विषय बनी हुई हैं।

इन चुनौतियों के समाधान के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी एवं जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को विश्व जनसंख्या दिवस के इतिहास, उद्देश्य तथा जनसंख्या से संबंधित प्रमुख वैश्विक चुनौतियों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि संतुलित जनसंख्या विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और जन-जागरूकता ही सतत एवं समावेशी विकास का आधार हैं।

प्रो. अजय कुमार कुररिया ने बढ़ती जनसंख्या के आर्थिक एवं सामाजिक प्रभावों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संसाधनों के समुचित उपयोग, बेरोजगारी, गरीबी तथा मानव विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्रीमती प्रियंका गुप्ता ने विद्यार्थियों को डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से विश्व जनसंख्या से जुड़ी समस्याओं, चुनौतियों एवं उनके संभावित समाधानों से अवगत कराया तथा जनसंख्या संतुलन, लैंगिक समानता और जिम्मेदार नागरिकता के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि विश्व जनसंख्या दिवस 2026 की थीम ÷युवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को साकार करना ङ्क वर्तमान तथा भविष्य के लिये÷ निर्धारित की गई है। इस थीम के माध्यम से युवाओं को उनके अधिकारों, अवसरों और सशक्त भागीदारी के प्रति जागरूक करने पर विशेष बल दिया गया, ताकि वे जनसंख्या और विकास के बीच संतुलन स्थापित करने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम का सफल संचालन सहायक प्राध्यापक प्रियंका गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. वी. के. द्विवेदी, प्रो. अंकिता गोस्वामी, श्री अमित कुमार चौधरी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

जिले भर में वृक्षारोपण के कार्य को जन आंदोलन बनाएं - प्रभारी मंत्री श्री सिलावट

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एयरपोर्ट परिसर में किया गया वृक्षारोपण

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश भर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन किया जा रहा है। ग्वालियर में रविवार को जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने मिलकर एयरपोर्ट परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट के साथ ही जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने वृक्षारोपण में भागीदारी की।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एयरपोर्ट परिसर में किए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अजय जामवाल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री रणवीर रावत, क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, विधायक भितरवार श्री मोहन सिंह राठौर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री जयप्रकाश राजौरिया, मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री अशोक जादौन, साडा के अध्यक्ष श्री अशोक शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, श्री कौशल शर्मा सहित जनप्रतिनिधि सहित कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने भी वृक्षारोपण में भाग लिया और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया।

जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारियों से कहा है कि बरसात के मौसम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिले भर में वृहद वृक्षारोपण का कार्य हाथ में लिया जाए। वृक्षारोपण के कार्य में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा है कि सभी स्कूलों, कॉलेजों में वृक्षारोपण का कार्य किया जाए। इसके साथ ही समाज के सभी वर्गों को पर्यावरण संरक्षण के कार्य में जोड़कर वृहद वृक्षारोपण का कार्य किया जाए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

16 जुलाई को भक्ति के रंग में रंगेगा उज्जैन, तीन रथों में नगर भ्रमण करेंगे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा

इंदिरा नगर से शोधपीठ तक निकलेगी भव्य रथयात्रा, ढोल-ताशे, झांकियां और लोकनृत्य होंगे आकर्षण- इस्कॉन ने स्थानीय अवकाश घोषित करने की मांग की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा यात्रा 16 जुलाई को पूरे धार्मिक उत्साह के साथ निकाली जाएगी। इस दौरान भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा रथों पर सवार होकर निकलेंगे। इसकी तैयारियां की जा रही है।

प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, श्रीकृष्ण पाथेय और इस्कॉन मंदिर प्रबंधन मिलकर किए जाने वाले आयोजन में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यात्रा में मुख्यमंत्री के भी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार रथयात्रा का शुभारंभ दोपहर 1:30 बजे इंदिरा नगर चौराहे से होगा। दोपहर 2 बजे श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचेंगे। इस बार भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा तीन अलग-अलग सुसज्जित रथों में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। यात्रा इंदिरा नगर से शुरू होकर नगर निगम, कोयला फाटक, चामुंडा चौराहा, फ्रीगंज ओवरब्रिज, टावर चौक, तीन बत्ती चौराहा और देवास रोड से होते हुए शाम करीब 6:30 बजे महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ पहुंचेगी।

रथयात्रा को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं। यात्रा में ढोल-ताशे, भजन-कीर्तन मंडलियां, पारंपरिक धार्मिक झांकियां, सजे-धजे घोड़े, बग्घियां और जनजातीय लोकनृत्य दल श्रद्धालुओं का स्वागत करेंगे। पूरे मार्ग पर विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं द्वारा स्वागत, पुष्पवर्षा और सेवा कार्य भी किए जाएंगे। आयोजन का उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति के साथ समाज में प्रेम, भाईचारा और समरसता का संदेश देना है। रथयात्रा के समापन के बाद भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा महारानी सात दिनों तक महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ परिसर में बनाए गए अस्थायी गुंडीचा मंदिर में विराजमान रहेंगे। इस दौरान प्रतिदिन आरती, छप्पन भोग, भजन संध्या, प्रवचन और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 24 जुलाई को भगवान की वापसी रथयात्रा शोधपीठ से इस्कॉन मंदिर के लिए निकाली जाएगी। इधर इस्कॉन उज्जैन ने रथयात्रा के महत्व को देखते हुए 16 जुलाई को उज्जैन में स्थानीय अवकाश घोषित करने की मांग की है। इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, सांसदों और अन्य जनप्रतिनिधियों को पत्र भेजकर आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक श्रद्धालु इस धार्मिक महोत्सव में शामिल हो सकें। आयोजन समिति को उम्मीद है कि इस वर्ष रथयात्रा में पिछले वर्षों की तुलना में अधिक संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे और पूरा शहर भक्ति के रंग में रंगा नजर आएगा।

पति ने पत्नी को मारी ईट, साले ने चाकू से किया हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देसाई नगर में रात 12 बजे पति पत्नी के बीच विवाद हो गया। पति ने पत्थर से पत्नी का सिर फोड़ दिया। पत्नी के मायके वालों ने पति के साथ मारपीट की। घटनाक्रम में दोनों पति-पत्नी घायल हुए हैं जो साल भर से अलग रह रहे थे। अशोकनगर में रहने वाला भारत पिता मानसिंह जाटवा हार फूल की दुकान पर काम करता है। साल भर से उसकी पत्नी रानी दो बच्चों के साथ पारिवारिक विवाद के चलते अपने मायके देसाई नगर में रह रही है। दोनों के बीच तलाक को लेकर मामला भी चल रहा है। रात 12 बजे के लगभग भारत अपने बच्चों से मिलने के बहाने देसाई नगर स्थित ससुराल पहुंचा जहां उसने पत्नी बच्चों को बाहर बुलाया और विवाद करने लगा। विवाद के दौरान भारत में बच्चों को मारने के लिए पत्थर उठा लिया बच्चों को बचाने के लिए पत्नी रानी बीच में आई तो उसका सिर फोड़ दिया। रानी के घायल होने पर उसका भाई राजेंद्र उर्फ बाबू आवाज सुनकर घर से बाहर आया और उसने भारत पर चाकू से हमला कर दिया। भारत और रानी के बीच विवाद होने पर उसके माता-पिता भी बीच बचाव के लिए आए थे इस दौरान भारत ने उनके साथ भी मारपीट की। फिलहाल भारत और उसकी पत्नी रानी घायल है जिन्हें उपचार के लिए चरक अस्पताल में भर्ती किया गया है पुलिस द्वारा दोनों के बयान दर्ज कर जांच की जा रही है पत्नी का कहना था कि वह पति के साथ नहीं रहना चाहती है उसे तलाक चाहिए।

चार माह बाद गिरफ्त में आया अवैध वसूली का आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महिदपुर थाना क्षेत्र के फकीर मोहल्ला में रहने वाले अब्दुल वहाब उर्फ अब्दुल्ला पिता मुजम्मिल शाह के साथ चार माह पहले 23 फरवरी को चार बदमाशों ने खुद को महिदपुर का किंग बताकर 10 हजार रूपयों करते हुए पाइप से मारपीट की थी। चारों बदमाशों निजाम उर्फ निजामुद्दीन शाह, शाहबुद्दीन शाह, मोईन शाह और मोईनउद्दीन शाह के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की थी, जिनकी धरपकड़ के प्रयास लगातार जारी थे। एक बदमाश को घटना के कुछ दिन बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं दूसरा बदमाश निजाम उर्फ निजामुद्दीन 29 जून को अवैध शराब के साथ गिरफ्त में आ गया था। अब मामले से जुड़े तीसरे आरोपी मोईन शाह को चार माह बाद गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि चार माह बाद गिरफ्त में आये आरोपी को कोर्ट में पेश कर एक दिन की रिमांड पर लिया गया था। जिससे पूछताछ के बाद शनिवार को कोर्ट में पेश कर जेल की सलाखों में भेजा गया है। आरोपी मोईन के खिलाफ पूर्व में भी जानलेवा हमला, गाली-गलौच, अवैध वसूली और आर्म्स एक्ट के प्रकरण दर्ज है। थाना प्रभारी के अनुसार मामले में अब भी एक एक आरोपी फरार है। जिसकी गिरफ्तारी भी जल्द की जायेगी।

शिप्रा नदी गऊघाट पर डूबा ग्वालियर का युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दोस्तों के साथ गऊघाट शिप्रा नदी नहाने पहुंचा ग्वालियर का युवक गहरे पानी में चला गया। दोस्तों ने उसके डूबने की सूचना पुलिस को दी। करीब डेढ़ से 2 घंटे की तलाश के बाद युवक को बाहर निकल गया उसकी मौत हो चुकी थी। सोमवार को परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा। नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया दोपहर में गऊघाट स्थित शिप्रा नदी में एक युवक के डूबने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। युवक की तलाश के लिए होमगार्ड की एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया। करीब डेढ़ से 2 घंटे की सर्चिंग के बाद युवक को बाहर निकाल लिया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। दोस्त आदर्श कटारे ने बताया कि डूबा उसका साथी अंकुश पिता अशोक शर्मा 19 साल निवासी मुरैना ग्वालियर का रहने वाला था। वह उजड़खेड़ा स्थित आश्रम में रहकर वेदपाठी की शिक्षा प्राप्त कर रहा था। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम किया गया है परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा फिलहाल बॉडी पोस्टमार्टम कक्ष में रखी गई है।

बाइक सवार को कार ने मारी टक्कर, युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़नगर मार्ग पर शनिवार दोपहर सड़क दुर्घटना हो गई बाइक सवार गंभीर घायल हुआ था उसे अस्पताल लाया गया जहां उपचार के दौरान रात में उसकी मौत हो गई। इंगोरिया के ग्राम बलेड़ी में रहने वाला कमल पिता हेमराज चौहान 37 साल मिस्त्री का काम करता था। शनिवार को वह बाइक से उज्जैन आ रहा था इस दौरान ग्राम चिकली के समीप ढाबे के सामने उसे तेज गति से दौड़ती कार ने टक्कर मार दी, दुर्घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हुई कमल गंभीर रूप से घायल हुआ था जिस भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पहचान लिया और परिवार को सूचना दी। भाई दिनेश घटनास्थल पहुंचा और तत्काल कमल को उपचार के लिए उज्जैन लेकर आया जहां निजी अस्पताल में कुछ घंटे चले उपचार के बाद रात में कमल की मौत हो गई। रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया परिजनों ने बताया कि कमल तीन बच्चों का पिता था। पुलिस ने दुर्घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के माध्यम से टक्कर मारकर मौके से भाग कार की तलाश शुरू की है।

इधर ट्रैक्टर ट्राली से गिरने पर मौत- नागदा के ग्राम गिंदवानिया में रहने वाला नितेश पिता परमेश्वर 18 वर्ष मजदूरी करता था। जूना नागदा से ट्रैक्टर ट्राली में ईट भरकर चालक विक्रम के साथ उन्हेंल आ रहा था। उन्हेल फंटा पर अचानक संतुलन बिगड़ने से ट्रैक्टर से नीचे आ गिरा उसे घायल हालत में उपचार के लिए उज्जैन लाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। अस्पताल पुलिस चौकी ने मर्ग कायम किया है।

सिंहस्थ की उलटी गिनती शुरू... फिर भी रेलवे के काम अधूरे

संभागायुक्त बोले- विभागों में तालमेल और तकनीकी कमियों का नहीं चलेगा बहाना, काम में तेजी लाएं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के बीच रेलवे से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर प्रशासन ने नाराजगी जताई है। बीते दिन कलेक्टर कार्यालय में संभागायुक्त की अध्यक्षता में रेलवे और विभिन्न विभागों की संयुक्त समीक्षा बैठक हुई, जिसमें अधूरे और लंबित कार्यों को लेकर नाराजगी जताई गई। उन्होंने अधिकारियों से साफ कहा कि अब समन्वय की कमी या तकनीकी बाधाओं का बहाना नहीं चलेगा और सभी कार्य तय समय-सीमा में पूरे करने होंगे।

बैठक में रेलवे स्टेशन को राज्य शासन द्वारा विकसित की जा रही नई सड़क से जोड़ने, स्टेशन पर जलापूर्ति कनेक्शन उपलब्ध कराने, रेलवे लाइन के ऊपर और नीचे बनने वाले रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) सहित विभिन्न परियोजनाओं की विभागवार समीक्षा की गई। कई कार्यों में समन्वय की कमी सामने आने पर संबंधित विभागों को तत्काल समाधान निकालने के निर्देश दिए गए। संभागायुक्त आशीष सिंह ने कहा कि सिंहस्थ-2028 की तैयारियों में अब किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी तालमेल से काम करें और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा तथा समय-सीमा का कड़ाई से पालन करें। बैठक में रेलवे ट्रैक के पास चल रहे निर्माण कार्यों में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि बिना सुरक्षा फेसिंग (बैरिकेडिंग) लगाए कोई कार्य नहीं किया जाए, ताकि दुर्घटनाओं की संभावना समाप्त हो। बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, रेलवे के वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) पीयूष पाण्डेय, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप सोनी सहित नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ जैसे महाआयोजन की तैयारियों में अब ढिलाई की कोई गुंजाइश नहीं है।

उज्जैन स्टेशन पर 10 लाख की एमडी ड्रग्स के साथ तस्कर पकड़ाया

जयपुर-मनारगुडी एक्सप्रेस में रेलवे सुरक्षा बल-एनसीबी का बड़ा ऑपरेशन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नशे के कारोबार पर बड़ी चोट करते हुए उज्जैन रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन नारकोस के तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) इंदौर की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। जयपुर-मनारगुडी एक्सप्रेस से सफर कर रहे एक तस्कर को 80 ग्राम एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। जब्त ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई गई है।

जानकारी के अनुसार वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त अमित प्रकाश मिश्रा के निर्देशन में आरपीएफ को एनसीबी से सूचना मिली थी कि गाड़ी संख्या 22673 जयपुर-मनारगुडी एक्सप्रेस के जरिए ड्रग्स की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही ट्रेन के उज्जैन पहुंचने पर आरपीएफ निरीक्षक नरेंद्र यादव के नेतृत्व में टीम ने डिब्बों की सघन जांच शुरू की। जांच के दौरान एस-1 श्रेणी के डिब्बे में एक युवक संदिग्ध अवस्था में पीठ पर टंगे बैग के साथ मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम राजू विश्नोई पिता भंवरलाल, निवासी ग्राम पीथावास, थाना डांगियावास, जिला जोधपुर (राजस्थान) बताया। बैग की तलाशी में संदिग्ध पदार्थ मिलने पर तत्काल एनसीबी इंदौर के निरीक्षक विजय राज और उनकी टीम को मौके पर बुलाया गया।

इसके बाद कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए संयुक्त तलाशी ली गई, जिसमें आरोपी के बैग से 80 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। एनसीबी ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 04/2026 के तहत मादक पदार्थ एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट), 1985 की धारा 8, 22 और 29 में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ड्रग्स की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे पहुंचाया जाना था। जांच एजेंसियां इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश कर रही हैं।

कार्रवाई में यह टीम रही शामिल- संयुक्त कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षक नरेंद्र यादव, सहायक उपनिरीक्षक साजिद हुसैन, प्रधान आरक्षक मुख्तायर सिंह, महेंद्र सिंह, राजाराम यादव, कमल सिंह तथा आरक्षक आशीष मारवाल सहित रेलवे सुरक्षा बल और एनसीबी इंदौर की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्रवाई एक बार फिर साबित करती है कि उज्जैन रेलवे स्टेशन को नशा तस्करों के लिए सुरक्षित ठिकाना नहीं बनने दिया जाएगा। रेलवे सुरक्षा बल और एनसीबी की सतर्कता से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ पकड़े जाने से संभावित तस्करी की एक बड़ी खेप बाजार तक पहुंचने से पहले ही रोक दी गई।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तृतीय चरण आज से

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक पशु पालन डॉ. के. सिरवानी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने का लक्ष्य पशुपालन एवं डेयरी विभाग को दिया गया है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य की पूर्ति के लिए विभाग द्वारा संचालित गतिविधियों जैसे नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ एवं पशु पोषण के बारे मे पशुपालाकों को जागरुक करने के लिए दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान 3 चलाया जाना है। अभियान का प्रथम चरण विगत 02.10.2025 से 09.10.2025 तक तथा द्वितीय चरण दिनांक 17.12.2026 से 15.01.2026 के गध्य कियान्वित किया गया था। अभियान का तृतीय चरण दिनांक 13 जुलाई 2026 से 20 जुलाई 2026 तक कियान्वित किया जाएगा जिसमे 3 से 4 पशु (गौवंश एवं भैंस वंश) रखने वाले पशुपालकों से गृह भेंट कर व्यक्तिश संपर्क किया जायेगा। भारत पशुधन ऐप पर दर्ज ऐसे पशुपालक जो 3 से 4 दुधारु पशु पाल रहे हैं से गृह भेंट करते हुए उन्हें अवर्णित नस्ल मे कृत्रिम गर्भाधान द्वारा नस्ल तैयार करने, संतुलित पशु आहार हेतु गौरस ऐप द्वारा संतुलित आहार बनाना।

यादव महासभा की बैठक में जन्माष्टमी की तैयारी को लेकर चर्चा की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। यादव अहीर महासभा द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आराध्य देव भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव जन्माष्टमी पर्व 4 सितंबर को यादव समाज जनों का भव्य चल समारोह आयोजित किया जाएगा। जन्माष्टमी पर्व पर यादव समाज के चल समारोह को इस बार भव्य स्वरूप देने के लिए समाज के वरिष्ठ सदस्यों, युवाओं, महिला सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। वहीं चल समारोह के साथ ही महिला महासभा के माध्यम से नंद उत्सव का भव्य आयोजन करने के साथ ही जन्माष्टमी पर्व पर भजन कीर्तन व सांस्कृतिक आयोजन करने संबंधी सुझाव भी प्राप्त हुए है।

रविवार को नीलगंगा स्थित शिप्रा गार्डन पर यादव अहीर महासभा के नगर अध्यक्ष श्री नारायण यादव की अध्यक्षता में भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव (4 सितंबर) पर निकलने वाले यादव अहीर समाज के चल समारोह की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक प्रारंभ होने के पहले भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल जी का पूजन कर आरती सभी समाज जनों द्वारा की गई। महासभा के नगर अध्यक्ष श्री नारायण यादव ने कहा कि इस बार यादव समाज के साथ ही सम्पूर्ण सनातन धर्म को मानने वाले समाज जनों के आराध्य देव भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव पर्व को भव्य स्वरूप में मनाया जाएगा।

महाकाल की पहली सवारी में 21 दिन शेष, मार्ग पर 50 से अधिक जर्जर मकान बने खतरा

हर साल नोटिस देकर रह जाता है नगर निगम, हटाने की कार्रवाई नहीं- पहली सवारी से पहले अभियान चलाने की जरूरत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल की पहली सवारी निकलने में अब मात्र 21 दिन शेष हैं, लेकिन सवारी मार्ग पर मौजूद जर्जर मकानों की ओर अभी तक नगर निगम ने ठोस ध्यान नहीं दिया है। यदि समय रहते इन भवनों को हटाने या सुरक्षित करने की कार्रवाई नहीं हुई तो सवारी के दौरान किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

महाकाल की सवारी महाकाल मंदिर से गुदरी चौराहा, रामघाट मार्ग, कार्तिक चौक, ढाबा रोड और गोपाल मंदिर होते हुए पुनः महाकाल मंदिर पहुंचती है। इस पूरे मार्ग के कई हिस्सों का अब तक चौड़ीकरण नहीं हो सका है। वहीं मार्ग पर वर्षों पुराने और जर्जर मकान आज भी खड़े हैं, जिनकी स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

सवारी के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़ते हैं। डीजे और हाई पावर साउंड सिस्टम के कारण होने वाले कंपन से जर्जर भवनों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कई स्थानों पर लोग इन मकानों की छतों और बालकनियों पर खड़े होकर सवारी का दर्शन करते हैं। ऐसे में यदि कोई भवन या उसका हिस्सा गिरता है तो बड़ा हादसा हो सकता है।

हर वर्ष नगर निगम सवारी से पहले जर्जर भवनों के मालिकों को नोटिस जारी करता है और सर्वे भी कराया जाता है, लेकिन कार्रवाई नोटिस तक ही सीमित रह जाती है। वर्षों से ऐसे भवनों को हटाने की बात होती रही है, लेकिन अब तक प्रभावी अभियान नहीं चलाया गया। वर्तमान में भी सवारी मार्ग पर 50 से अधिक जर्जर और पुराने मकान मौजूद बताए जा रहे हैं।

नगर निगम इन भवनों की जांच कराने की बात तो कर रहा है, लेकिन उन्हें हटाने या सुरक्षित बनाने की कोई ठोस योजना अभी तक सामने नहीं आई है। ऐसे में ये भवन श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। बाबा महाकाल की पहली सवारी 3 अगस्त को निकलेगी। इसके बाद सितंबर माह तक प्रत्येक सोमवार को सवारी निकलेगी तथा अंतिम शाही सवारी पूरे वैभव और धूमधाम के साथ निकाली जाएगी। ऐसे में आवश्यक है कि नगर निगम पहली सवारी से पहले योजनाबद्ध तरीके से जर्जर भवनों को हटाने अथवा सुरक्षित करने की कार्रवाई पूरी करे, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की आस्था के इस महापर्व में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।

राज्य स्तरीय SPOT टीम ने जिला चिकित्सालय एवं पीएचसी ताजपुर का निरीक्षण किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति एवं स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के मूल्यांकन हेतु State Public Health Observer Team (SPOT) द्वारा गत दिवस जिला चिकित्सालय उज्जैन एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र ताजपुर का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान टीम द्वारा एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम, वैक्सीन से रोकथाम योग्य रोग सर्विलांस, रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम, स्नेक बाइट प्रबंधन, राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (NPCCHH), एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस तथा डिजास्टर मैनेजमेंट सेल से संबंधित व्यवस्थाओं, अभिलेखों एवं रिपोर्टिंग प्रणाली का विस्तृत अवलोकन किया गया।

SPOT टीम ने स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध विभिन्न रजिस्टरों, IHIP रिपोर्टिंग, SARI निगरानी, एंटी रेबीज वैक्सीन एवं एंटी स्नेक वेनम की उपलब्धता, Animal Bite Exposure Register, हीट स्ट्रोक प्रबंधन इकाई, ऑक्सीजन अधोसंरचना, फायर सेफ्टी ऑडिट एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों का परीक्षण किया।

टीम ने विभिन्न कार्यक्रमों के क्रियान्वयन एवं रिकॉर्ड संधारण पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुधारात्मक सुझाव भी प्रदान किए।

निरीक्षण के दौरान जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुनीता परमार, जिला एपिडेमिलॉजिस्ट डॉ. आदित्य माथुर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी टीम द्वारा जिले में संचालित विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों, रोग निगरानी गतिविधियों एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,डॉ. अशोक कुमार पटेल ने कहा है कि जिले में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने एवं रोग निगरानी प्रणाली को प्रभावी बनाने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं तथा SPOT टीम द्वारा दिए गए सुझावों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

उज्जैन जिले में अब तक 10 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज

प्रदेश में बारिश के मामले में मालवा-निमाड़ सबसे आगे- उज्जैन बेहतर प्रदर्शन वाले जिलों में शामिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस बार मानसून ने मालवा-निमाड़ पर खास मेहरबानी दिखाई है। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में सबसे बेहतर बारिश दर्ज की गई है और उज्जैन भी उन जिलों में शामिल है, जहां अब तक 10 इंच से अधिक वर्षा हो चुकी है। लगातार हुई बारिश से जिले की नदियों और जलाशयों में पानी की आवक बढ़ी है, जिससे किसानों के साथ-साथ आम लोगों को भी राहत मिली है।

प्रदेश में अब तक हुई बारिश के आंकड़ों के अनुसार देवास 17.9 इंच बारिश के साथ सबसे आगे है। वहीं उज्जैन, इंदौर, मंदसौर, नीमच, खंडवा और खरगोन जैसे जिले भी अच्छी बारिश वाले क्षेत्रों में शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार उज्जैन में अब तक 10 से 12 इंच के बीच बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो सामान्य से बेहतर स्थिति मानी जा रही है।

इस बार प्रदेश का सबसे अधिक बारिश वाला क्षेत्र बनकर उभरा है। इसके विपरीत आलीराजपुर, रीवा, सिंगरौली और मुरैना जैसे जिलों में अब भी सामान्य से काफी कम बारिश हुई है। बारिश के कारण प्रदेश के कई डैम और नदियों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। हालांकि अधिकांश बड़े जलाशयों में अभी ओवरफ्लो जैसी स्थिति नहीं बनी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अगस्त में भी इसी तरह बारिश होती रही तो कई डैम लबालब हो सकते हैं। भोपाल का बड़ा तालाब भी कोलांस नदी के उफान से तेजी से भर रहा है, जबकि केरवा और कलियासोत डैम में भी पानी की अच्छी आवक हुई है। गंभीर बांध का जलस्तर भी कुछ बढ़ गया है।

एक नजर में बारिश का गणित-12 इंच से ज्यादा बारिश:- भोपाल, सीहोर, इंदौर, बुरहानपुर, देवास, आगर-मालवा और हरदा।

10 से 12 इंच बारिश:- उज्जैन, मंदसौर, नीमच, राजगढ़, खंडवा, खरगोन, बैतूल, गुना, दमोह, छिंदवाड़ा और सिवनी सहित अन्य जिले।

6 से 10 इंच बारिश:- रतलाम, शाजापुर, धार, विदिशा, रायसेन, पन्ना, छतरपुर समेत कई जिले।

सबसे कम बारिश:- आलीराजपुर, रीवा, सिंगरौली और मुरैना।

मौसम विशेषज्ञ डॉ आर पी गुप्त के अनुसार जुलाई में लगातार मजबूत मौसम प्रणालियां सक्रिय रहने से प्रदेश में बारिश के आंकड़ों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा, जबकि अगले सप्ताह नया सिस्टम बनने के बाद प्रदेश के साथ उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों में फिर तेज बारिश होने की संभावना है।

बारिश की अच्छी स्थिति से खरीफ फसलों को भी बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक इसी तरह वर्षा होती रही तो सोयाबीन, मक्का और अन्य फसलों की बढ़वार के लिए यह मौसम बेहद अनुकूल साबित होगा।